सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीने में होती है ...!!

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-231 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 09 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

प्रस्तावित गैस आधारित फर्टिलाइजर प्लांट से औद्योगिक विकास और रोजगार को मिलेगी नई गति : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से की आत्मीय भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके रायपुर स्थित निवास पर आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच राजनांदगांव में गेल (इंडिया) लिमिटेड के प्रस्तावित गैस आधारित फर्टिलाइजर प्लांट, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 तथा प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में गेल (इंडिया) लिमिटेड का प्रस्तावित गैस आधारित फर्टिलाइजर प्लांट क्षेत्र के औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना साबित होगा। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होने के साथ सहायक उद्योगों और व्यावसायिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे राजनांदगांव सहित आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2 .0 सहित प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में नई संभावनाओं वाले उद्योगों के विस्तार के साथ आधुनिक तकनीक और उच्च मूल्य आधारित विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 इसी दिशा में छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आधुनिक विनिर्माण के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं और निवेश के लिए नई संभावनाएं बनी हैं। हमारा प्रयास है कि प्रदेश में आने वाला निवेश स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, क्षेत्रीय विकास और आर्थिक समृद्धि का माध्यम बने। राजनांदगांव की प्रस्तावित फर्टिलाइजर परियोजना भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को मिले 3 नए जस्टिस, नियुक्ति आदेश जारी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को तीन नए जस्टिस मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की अनुशंसा पर राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्रीय विधि मंत्रालय ने आदेश जारी कर दिए। तीनों नियुक्तियां बेंच कोटे से उच्च न्यायिक सेवा से हुई हैं।

कॉलेजियम ने 18 अगस्त की बैठक में संतोष शर्मा, सुषमा सावंत और सुधीर कुमार के नामों को मंजूरी दी थी। हाल ही में जस्टिस संजय श्याम अग्रवाल, राधाकृष्ण अग्रवाल और चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के रिटायर होने से जजों की कमी थी।

नए जजों का परिचय

संतोष शर्मा: 2009 बैच, वतर्मान में कोरबा के प्रधान जिला न्यायाधीश, हाईकोर्ट में रजिस्ट्रार S&A और विजिलेंस रह चुके हैं।

सुषमा सावंत:1998 बैच, वतर्मान में विधि विभाग में प्रमुख सचिव, महासमुंद, बिलासपुर, राजनांदगांव में जिला जज और न्यायिक अकादमी निदेशक रह चुकी हैं। सुधीर कुमार 2009 बैच, वतर्मान में रायपुर फैमिली कोर्ट प्रधान न्यायाधीश, हाईकोर्ट में रजिस्ट्रार जनरल और दुर्ग जिला जज रह चुके हैं।

युवा कांग्रेस चुनाव में वोट मैनेजमेंट पर विवाद, OTP लेने तक के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव में वोट मैनेजमेंट को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। बाहरी युवाओं को बुलाकर वोट जुटाने, पैसे बांटने और डळढ लेने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला ने विजय जांगिड़ के समक्ष शिकायत की है कि जिलाध्यक्ष पद के एक प्रत्याशी के समर्थन में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली से युवाओं को बुलाकर गांव-गांव में वोट मैनेजमेंट कराया जा रहा है। आरोप है कि ये युवक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रुके हैं और ग्रामीण मतदाताओं के वीडियो बनाकर मदद के नाम पर OTP मांग रहे हैं। पैसे के इस्तेमाल और दारू-मुर्गा पार्टी के भी आरोप लग रहे हैं। साथ ही एक विधानसभा के मतदाताओं से दूसरी विधानसभा में वोटिंग कराने का मामला भी उठा है। चांपा नगर पालिका उपाध्यक्ष पर भी प्रत्याशी के पक्ष में वोट कराने और एक वीडियो वायरल होने की चर्चा है।

प्रदेश में दो प्रत्याशियों की शिकायत पर चुनाव होल्ड होने की चर्चा के बीच जांजगीर-चांपा में भी जिलाध्यक्ष चुनाव पर रोक की संभावना जताई जा रही है। हालांकि आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

महापौर परिषद की बैठक, विकास के कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

पंडाल से रोड ट्रैफिक एवं आवागमन बाधित न हो इसका ध्यान रखने निर्णय लिया गया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त सुरूचि सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास, निगम की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के बाद कई प्रस्तावों को महापौर परिषद ने स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 15 नग हापर टिप्पर क्रय किए जाने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। महापौर परिषद ने पुनः निविदा करने हेतु सर्व सम्मति से निर्णय लिए हैं। जोन क्रमांक-03 अंतर्गत संतोषी पारा स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन को संचालन, प्रबंधन एवं संधारण के लिए 10 माह की अवधि हेतु किराये पर दिए जाने संबंधी नियम एवं शर्तो का अनुमोदन और निविदा आमंत्रण की अनुमति प्रदान की गई।

निगम क्षेत्र में सार्वजनिक खुले मैदान, फुटपाथ, चौराहे एवं अन्य सार्वजनिक खुले स्थानों पर पंडाल अथवा अस्थायी संरचनाओं के निर्माण की अनुमति के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन से निर्देश प्राप्त है। शासन के आदेशानुसार बड़े पंडालों पर अनुमति शुल्क, स्वच्छता शुल्क निधि एवं अतिरिक्त सुरक्षा निधि शुल्क निर्धारित है शुल्क लिए जाने संबंधी प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। 5000 वर्ग फीट तक के पंडालो के लिए छूट दी गई है किंतु व्यावसायिक गतिविधि संचालित किए जाने पर छोटे पंडालो से भी शुल्क लिया जाएगा। 5000 वर्ग फीट से ऊपर सभी पंडालो पर अनुमति शुल्क की राशि 3.50 रुपए प्रति वर्ग फीट के अनुसार ली जाएगी, जिसकी गणना पंडाल क्षेत्रफल 0 से लेकर ऊपर तक की होगी । सफाई शुल्क के रूप में 2000 रूपये ली जाएगी। सुरक्षा निधि लिया जाएगा जो रिफंडेबल योग्य होगा । पंडाल से रोड ट्रैफिक एवं आवागमन बाधित न हो इसका ध्यान रखने निर्णय लिया गया है।

निगम द्वारा चंद्रा-मौर्या के सामने निर्माणाधीन हाईजिनिक फूड जोन के संचालन, अनुरक्षण एवं राजस्व साझेदारी के लिए रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किए जाने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य फूड जोन का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने के साथ व्यवस्थित एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। बैठक में राजस्व अधिकारी की सेवावृद्धि से संबंधित प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। स्वर्गीय वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा के नाम से चंद्रा मौर्या टॉकीज अंडरब्रिज के नामकरण किए जाने के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान करते हुए सामान्य सभा को प्रस्ताव भेजा गया है। नेहरू नगर क्षेत्र में भिलाई नगर रेलवे स्टेशन से नेहरू नगर अंडरब्रिज तक रेलवे लाइन के समानांतर सड़क निर्माण एवं विद्युतीकरण कार्य कराया जाएगा। यह कार्य लगभग 314.15 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण एवं विद्युतीकरण से क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निगम की संपत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु सुरक्षा गार्ड की निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर को स्वीकार करते हुए संबंधित एजेंसी को अनुबंध एवं कार्यादेश जारी करने की अनुमति प्रदान की गई। महापौर की बैठक में लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, आदित्य सिंह, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, लाल चंद वर्मा, केशव चौबे, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गंवई, नेहा साहू, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त सह जोन आयुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त येशा लहरे कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, कार्यापालन अभियंता अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, राजस्व अधिकारी जे. पी. तिवारी, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, अशोक देवांगन, विनय शर्मा उपस्थित रहे।

प्रदेश में स्कूलों की हालत खराब, बच्चे आंदोलन कर रहे हैं - दीपक बैज

शिक्षा मंत्री समस्या सुलझाने के बजाय इसे कांग्रेस द्वारा प्रायोजित बता रहे हैं, जो शर्मनाक है

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि शिक्षा सत्र शुरू हुए 4 महीने हो गए लेकिन सरकार स्कूलों में सुविधाएं नहीं दे पा रही है। दो दर्जन से अधिक जगहों पर बच्चे भवन, किताब-कॉपी और शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलन कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि सरगुजा के शिवपुर एकलव्य विद्यालय की छात्राएं बिजली बंद, खराब भोजन और शिक्षक कमी के विरोध में 40 किमी पैदल कलेक्टर से मिलने निकलीं। शिक्षा मंत्री समस्या सुलझाने के बजाय इसे कांग्रेस द्वारा प्रायोजित बता रहे हैं, जो शर्मनाक है।

बैज ने सड़कों की बदहाली पर भी सरकार को घेरा। कहा कि रायपुर से बस्तर, सरगुजा, जशपुर तक एक भी सड़क ऐसी नहीं जिस पर आसानी से चला जा सके। ढाई साल में न नई सड़क बनी, न मरम्मत हुई। राजधानी में सड़कों की हालत दिखाने पर पत्रकार को जेल भेज दिया गया।

उन्होंने बताया कि संगठन सृजन के तहत बस्तर के बाद दुर्ग संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों का प्रशिक्षण पूरा हो गया है। अब बिलासपुर, सरगुजा, रायपुर संभाग में प्रशिक्षण होगा। लक्ष्य 2028 में राज्य और 2029 में केंद्र में कांग्रेस सरकार बनाना है।

नए प्रभारी सुखदेव भगत के नेतृत्व में भाजपा के कुशासन के खिलाफ लड़ाई तेज करने और पुराने प्रभारी सचिन पायलट का आभार जताया। साथ ही दिल्ली में बिल्डिंग गिरने की घटना से सबक लेकर रायपुर सहित बड़े शहरों के पुराने भवनों और कोचिंग संस्थानों का ऑडिट कराने की मांग की।

धोखाधड़ी कर जमीन हड़पने और अवैध साहूकारी का पर्दाफाश, महिला पर केस दर्ज

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

तुमड़ीबोड़ पुलिस ने अवैध साहूकारी और जमीन हड़पने के मामले में रश्मिदेवी गोस्वामी (40) निवासी मटिया के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। अंकिता शर्मा के निर्देश और CSP वैशाली जैन की जांच में खुलासा हुआ कि आवेदक फागुराम सिन्हा ने 30.09.2024 को 3 लाख रुपये उधार लिए थे, जिसे 2 साल में 1 लाख ब्याज सहित 4 लाख लौटाना था। आवेदक ने 50 डिसमिल जमीन बेचकर 3.50 लाख लौटा दिए, शेष 50 हजार के एवज में आरोपिया ने पावर ऑफ अटॉर्नी का दुरुपयोग कर 49 डिसमिल जमीन की 9 लाख रुपये में अपने नाम रजिस्ट्री करा ली और बाद में बेच दी। जांच में बिना साहूकारी लाइसेंस के ब्याज पर कर्ज देने की पुष्टि हुई। आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) BNS और छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 4 के तहत कार्रवाई की गई।

गणेश उत्सव को लेकर राजनांदगांव पुलिस अलर्ट, SP ने 70 समितियों के साथ बनाई कार्ययोजना

एम्बुलेंस और फायर वाहन के लिए रास्ता खुला रखने दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए रढ अंकिता शर्मा ने 70 से अधिक समितियों के साथ बैठक ली। इसमें एडिशनल SP कीर्तन राठौर और शहर के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक में_One Cop - One Pandal_ पहल के तहत बड़े और संवेदनशील पंडालों में_Pandal Police Mitra_ तैनात करने का निर्णय लिया गया। जो समिति और पुलिस के बीच समन्वय रखेंगे। SP ने पंडालों में प्रवेश-निकास, बैरिकेडिंग, पार्किंग, CCTV, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित वायरिंग, अग्नि सुरक्षा और महिलाओं-बच्चों-बुजुर्गों की सुरक्षा के विशेष निर्देश दिए। एम्बुलेंस और फायर वाहन के लिए रास्ता खुला रखने को कहा। नशे में उपद्रव, हथियार प्रदर्शन, जुआ-सट्टा बर्दाश्त नहीं होगा। अफवाह न फैलाने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।

पीएम जनमन में अधूरे आंगनबाड़ी को कागजों में पूर्ण दिखाने का आरोप, प्रभारी CEO घेरे में

नरेंद्र डाकलिया / खैरागढ़

पीएम जनमन योजना के तहत छुईखदान में अधूरे आंगनबाड़ी भवनों को पूर्ण दिखाने का मामला सामने आया है। आरोप प्रभारी CEO (तृतीय श्रेणी कमर्चारी) जनपद पंचायत छुईखदान पर है।

आरोप प्रभारी CEO (तृतीय श्रेणी कर्मचारी) जनपद पंचायत छुईखदान पर है

क्या है मामला

27 मई को प्रभारी उएड ने RES SDO को नोटिस दिया, कहा ग्राम गेरूखदान और चोभर में 11.69-11.69 लाख के भवन धीमे हैं। 2 जून को SDO ने जिला पंचायत CEO को पत्र लिखा, प्रभारी उएड द्वारा जारी Completion Certificate संलग्न किया, कहा भौतिक रूप से अपूर्ण कार्यों का उउ जारी करना गंभीर अनियमितता है। 11 जून को जिला CEO प्रेम कुमार पटेल ने प्रभारी उएड से प्रतिवेदन, कंटिंजेंसी राशि आबंटन और फ्र्एर के बैठने की व्यवस्था पर जवाब मांगा। 19 जून को प्रभारी उएड ने जवाब में SDO पर कूटरचना का आरोप लगाया, पर हस्ताक्षर से इनकार नहीं किया। 31 अगस्त को SDO ने कहा बिना तिथि और बिना कार्य पूर्ण हुए CC जारी करना ही अवैध और आपराधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कलेक्टर को भौतिक सत्यापन, मूल अभिलेख जब्ती और स्वतंत्र जांच कर EOW में कार्रवाई करनी चाहिए। फिलहाल गेंद कलेक्टर और जिला

खास खबर

पहले डेढ़ लाख का भुगतान, फिर उसी फर्म को GeM में ठेका!

जनपद CEO की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

।नई दृष्टिबिंदु /छुईखदान

2023-24 में टैंकर सप्लाई और ऑफलाइन भुगतान के बाद कलेक्टर ने जताई थी आपत्ति; दो साल बाद उसी फर्म कोGeM में काम मिलने का आरोप, 19 पंचायतों के 57 लाख की खरीद जांच के घेरे में।

विधायक निधि से जनपद पंचायत छुईखदान की 19 ग्राम पंचायतों के लिए पानी टैंकर खरीदी का मामला अब सिर्फ खरीदी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहा। इसमें जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2023-24 में मां बिंदेश्वरी लेथ मशीन फर्म द्वारा टैंकर सप्लाई करने के बाद करीब डेढ़ लाख रुपये का ऑफलाइन भुगतान कर दिया गया था। बाद में तत्कालीन कलेक्टर ने खरीद प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए ञ्मेट पोर्टल से नियमानुसार खरीदी के निर्देश दिए थे। आरोप है कि आपत्ति के बाद पुरानी प्रक्रिया को निरस्त कर पारदर्शी तरीके से नई खरीद कराने के बजाय करीब दो साल बाद 2026-27 में उन्हीं टैंकरों के लिए ञ्मेट प्रक्रिया दिखाई गई और फिर उसी फर्म का नाम सामने आया।

सचिवों के बयान से गहराया संदेह

देवपुराघाट के सचिव सुरेश झारिया ने पहले डेढ़ लाख के चेक भुगतान और बाद में ञ्मेट से डेढ़ लाख आने की बात कही। मोहगांव के तत्कालीन सचिव रामजी जंघेल ने भी 2023-24 में टैंकर आने और ऑफलाइन भुगतान की पुष्टि की। वहीं मोहगांव के वतर्मान सरपंच जंगल दास बघेल का कहना है कि टैंकर उनके कायर्काल में नहीं खरीदा गया, पहले से मौजूद था। ऐसे में सवाल है कि 2023-24 में जो टैंकर पहुंच चुके थे, उनकी खरीद 2026-27 में दोबारा कैसे हुई?

3 लाख की स्वीकृति, भुगतान डेढ़ लाख का

प्रति टैंकर 3 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति थी। 14 पंचायतों के लिए 42 लाख और 5 पंचायतों के लिए 15 लाख, कुल 57 लाख की स्वीकृति। ञ्मेट बिड भी 3 लाख की बताई जा रही है, लेकिन भुगतान डेढ़ लाख का। यदि ञ्मेट ऑर्डर 3 लाख का था तो डेढ़ लाख किस आधार पर दिया गया और पहले किए गए ऑफलाइन भुगतान का समायोजन कैसे हुआ, इसका दस्तावेजी हिसाब सामने आना जरूरी है।

जांच के प्रमुख बिंदु

- GeM बिड किस स्तर से लगाई गई, कितने वेंडर शामिल हुए?
- चयन के तकनीकी-वित्तीय मापदंड क्या थे?
- पहले से मौजूद टैंकरों को बाद की प्रक्रिया में कैसे जोड़ा गया?
- 19 पंचायतों की पूरी प्रक्रिया किसके अनुमोदन से चली?

शिकायतकर्ता ने GeM लॉगिन के IP एड्रेस, यूजर ID, OTP किस मोबाइल पर आया और किस डिवाइस से बिड लगी, इसकी तकनीकी जांच की मांग की है।

अधिकारियों का पक्ष

जनपद CEO केश्वरी देवांगन ने कहा - सीएम पोर्टल पर शिकायत आई है, जांच कराई जाएगी। जिला पंचायत CEO प्रेम कुमार पटेल ने कहा - जानकारी लेने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा। अब जांच में 2023-24 की सप्लाई, ऑफलाइन भुगतान, कलेक्टर की आपत्ति और 2026-27 की GeM प्रक्रिया की कड़ियां जुड़ने पर ही स्पष्ट होगा कि यह नियमों की अनदेखी है या वित्तीय अनियमितता।

छत्तीसगढ़ स्टेट सिनियर फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप का भव्य शुभारंभ 10 को

छत्तीसगढ़ के 21 जिलों के 140 शतरंज खिलाड़ियों के बीच होगा शह और मात का मुकाबला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ व खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशन में अग्रसेन जन कल्याण समिति एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा दिनांक 10 से 13 अगस्त तक भिलाई के सेक्टर 6 स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सिनियर फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप का भव्य आयोजन किया गया है।

उक्त स्पर्धा का शुभारंभ गुरुवार दिनांक 10 अगस्त को प्रातः 10 बजे अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के महा सचिव अनिल अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी, साहित्यकार एवं लेखक कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी राजेश नथवानी बंटी भैया एवं अग्रसेन महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती उमा अग्रवाल उपस्थित रहेंगे।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के 21 जिलों के 140 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमे 125 पुरुष एवं 25 महिला प्रतिभागी शामिल हैं। स्पर्धा में कुल 67 रेटेड शतरंज खिलाड़ी शामिल हैं। स्पर्धा 8 चक्रों में खेली जाएगी।

स्पर्धा में चार पुरुष एवं चार महिला खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। राष्ट्रीय सिनियर शतरंज चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश एवं राष्ट्रीय महिला शतरंज चैंपियनशिप तेलंगाना में आयोजित है।

स्पर्धा में कुल एक लाख पांच हजार रुपए नगद राशि के अलावा ट्रॉफी, मोमेंटो एवं भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। स्पर्धा में सिनियर ओपन वर्ग में प्रथम पंद्रह हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी द्वितीय ग्यारह हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी तृतीय नव हजार रुपए एवं ट्रॉफी चतुर्थ सात हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी पांचवा पांच हजार रुपए एवं मोमेंटो छठवां चार हजार रुपए एवं मोमेंटो तथा सातवें से दसवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को ढाई हजार रुपए एवं मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। महिला वर्ग में प्रथम ग्यारह हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी द्वितीय सात हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी तृतीय पांच हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी चतुर्थ चार हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी पांचवा तीन हजार रुपए एवं मोमेंटो तथा छठवें से आठवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को दो हजार रुपए एवं मोमेंटो दिया जाएगा। इसके अलावा बेस्ट बस्तर खिलाड़ी को दो हजार रुपए एवं ट्रॉफी बेस्ट सरगुजा खिलाड़ी को दो हजार रुपए एवं ट्रॉफी बेस्ट वेटरन खिलाड़ी को दो हजार रुपए एवं ट्रॉफी बेस्ट दिव्यांग खिलाड़ी को दो हजार रुपए एवं ट्रॉफी के अलावा बेस्ट अंडर 7, 9, 11, 13 एवं अंडर 15 के बालक एवं बालिकाओं को मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े सहायक निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, धीरज चावरे, सिनियर नेशनल आर्बिटर विक्रम सिंह राजपूत, सद्दाम हुसैन होंगे।

भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी पर लोक भवन में हुआ सांस्कृतिक संध्या

कालजयी रचनाओं और जीवन-यात्रा को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत रत्न एवं प्रख्यात संगीतकार, गायक, गीतकार और फिल्मकार डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर आज लोक भवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. हजारिका के कला, संगीत एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का स्मरण किया गया तथा उनकी कालजयी रचनाओं और जीवन-यात्रा को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका का संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं था, बल्कि उसमें समाज, संस्कृति, प्रकृति, मानवीय संवेदना और राष्ट्रीय एकता की गहरी अभिव्यक्ति थी। उन्होंने अपने गीतों और संगीत के

माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ने का कार्य किया। उनकी रचनाएं आज भी लोगों को सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों का संदेश देती हैं। सांस्कृतिक संध्या में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के कलाकारों ने डॉ. भूपेन हजारिका के जीवन एवं रचनाओं पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। नृत्य के माध्यम से उनकी रचनाओं और जीवन-यात्रा को प्रभावशाली ढंग से जीवंत किया गया। महाकालीबाड़ी एवं विश्वनाथ मंदिर समिति, पंडरी, रायपुर के कलाकारों ने डॉ. हजारिका द्वारा गाए प्रसिद्ध गीतों की भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुति दी। राज्यपाल रमेन डेका ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारती दासन सहित गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

पेड मेंबरशिप मामला : चेलक का नामांकन अनहोल्ड, बंजारे को अभी इंतजार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ युवक कांग्रेस के चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष पद के दावेदार सत्येंद्र चेलक को राहत मिली है। पैसे देकर सदस्य बनाए जाने की शिकायत के चलते होल्ड किए गए उनके नामांकन को चुनाव कमेटी ने अनहोल्ड कर दिया है। वहीं, दूसरे दावेदार आकाश बंजारे का नामांकन अभी होल्ड पर है। बंजारे के समर्थक चुनाव कमेटी के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। पेड मेंबरशिप की शिकायत के बाद दोनों दावेदारों के नामांकन पर सवाल उठे थे। चेलक का नामांकन अनहोल्ड होने के बाद अब चुनावी मुकाबले को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों को प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। चेलक को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और बंजारे को विधायक देवेंद्र यादव का समर्थक बताया जा रहा है। इधर, पेड मेंबरशिप को लेकर एक अलग तर्क भी सामने आ रहा है। एक पक्ष का कहना है कि यदि सदस्य बनाने के लिए राशि जमा करने की प्रक्रिया में प्रत्याशियों की भूमिका मानी जाती है, तो केवल अध्यक्ष पद ही नहीं, बल्कि चुनाव में अन्य पदों के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशियों और उनके द्वारा बनाए गए सदस्यों की प्रक्रिया भी जांच के दायरे में आ सकती है। अब सबकी नजरें बंजारे के नामांकन पर चुनाव कमेटी के अगले फैसले पर टिकी हैं। इसके बाद ही प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव की तस्वीर और मुकाबले की स्थिति और स्पष्ट होगी।

बंजारे के समर्थक चुनाव कमेटी के फैसले का इंतजार कर रहे हैं

राज्यपाल रमेन डेका से अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने संगठन द्वारा आयोजित किए जाने वाले आगामी प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में राज्यपाल को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही समाज की ओर से राज्यपाल रमेन डेका को इस गरिमामयी आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महासभा की विभिन्न गतिविधियों और सामाजिक व पर्यावरणीय दायित्वों के संबंध में राज्यपाल को अवगत कराया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभूषण वर्मा, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सेंट्रल जोन में चाकूबाजों पर कार्रवाई, 24 घंटे में 5 बदमाश आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट सेंट्रल जोन में चाकूबाजों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 24 घंटे में 5 आरोपियों को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट में जेल भेजा गया। डीसीपी तारकेश्वर पटेल और एडिशनल डीसीपी विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु ऊढ अमित कोसमा के नेतृत्व में थाना गोलबाजार, गंज और मौदहापारा पुलिस ने कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपी

नितेश सोनी (19) और अशोक भाण्डेकर (40) - थाना गंज क्षेत्र से धन्नू साहू (20), रविन्द्र साठे (40) और मनोज यादव (34) - थाना मौदहापारा क्षेत्र से सभी के कब्जे से धारदार चाकू बरामद कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया। अभियान के दौरान थाना गोलबाजार में आदतन बदमाशों की परेड भी ली गई और विजिबल पुलिसिंग के तहत सघन चेकिंग की गई। पुलिस ने कहा कि अभियान लगातार जारी रहेगा।

नशे में स्कूल बस चलाने वाले चालक को 3 दिन की जेल, 15 हजार रुपए जुर्माना

बस को तत्काल जब्त कर चालक के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत कार्वाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस की कार्वाई में शराब के नशे में स्कूल बस चलाते पकड़े गए चालक को न्यायालय ने तीन दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने चालक पर कुल 15 हजार रुपए का अथर्दंड भी लगाया है। यातायात पुलिस दुर्ग ने 7 सितंबर को स्कूल बसों और उनके चालकों की जांच के दौरान गोपीराम विश्वकर्मा को शराब के नशे में ङ्ढर कुठेला भाठा दुर्ग की स्कूल बस क्रमांक उक्ष्07 उळ0968 चलाते पकड़ा था। पुलिस ने बस को तत्काल जब्त कर चालक के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत कार्वाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने धारा 185 के तहत चालक को तीन दिन के साधारण कारावास और 10 हजार रुपए अथर्दंड तथा धारा 184 के तहत 5 हजार रुपए अथर्दंड से दंडित किया। इस तरह चालक को कुल 15 हजार रुपए का जुर्माना भरना होगा। अथर्दंड जमा नहीं करने पर धारा 185 के तहत 30 दिन और धारा 184 के तहत 10 दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। यातायात पुलिस ने चालक के शराब के नशे में स्कूल बस चलाने की रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को अग्रिम कार्वाई के लिए भेजी है। साथ ही स्कूल प्रबंधन को भी आवश्यक कार्वाई के लिए पत्र प्रेषित किया गया है। पुलिस ने स्कूल बस चालकों और वाहन चालकों से शराब अथवा किसी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन कर वाहन नहीं चलाने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्वाई की जाएगी।

साइबर ठगी की रकम खपाने वाले 6 म्यूल खाताधारक गिरफ्तार

2 से 15 हजार रुपए कमीशन के लालच में खाते, एटीएम, पासबुक और सिम किए थे उपलब्ध

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों के जरिए इधर-उधर करने और खपाने के मामले में दुर्ग पुलिस ने छह म्यूल बैंक खाताधारकों के खिलाफ कार्वाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड अन्य लोगों को उपलब्ध कराए थे। पुलिस जांच में इन खातों में लाखों रुपए से अधिक की संदिग्ध राशि के लेनदेन का खुलासा हुआ है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराध और म्यूल बैंक खातों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्वाई की गई। साइबर ठगी के मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न बैंक खातों में हुए लेनदेन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच में भिलाई भट्ठी, भिलाई नगर और सुपेला थाना क्षेत्र से जुड़े कुछ खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम के लेनदेन और हस्तांतरण में किए जाने की जानकारी सामने आई।

जांच में पता चला कि खाताधारकों ने 2 हजार से 15 हजार रुपए तक के कमीशन के लालच में अपने बैंकिंग दस्तावेज और सिम अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए थे। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से प्राप्त रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। पुलिस ने 8 सितंबर को थाना सुपेला के अपराध क्रमांक 679/2026 में तीन, भिलाई भट्ठी के अपराध क्रमांक 63/2026 में एक तथा भिलाई नगर के अपराध क्रमांक 388/2026 में दो आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(2), 318(3) और 317(4) के तहत कार्वाई की।

ये आरोपी गिरफ्तारः मोहन राम (50), निवासी घासीदास नगर जामुल; गजेन्द्र कुमार साहू (23), हिन्द नगर रिसाली; भीष्म लाल भारती (27), सांकरा कुम्हारी; ओम प्रकाश यादव (28), चिखली; देवरतन टंडन (39), खुर्सीपार और लोकनाथ वर्मा (29), सुपेला शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंक खातों की पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और बैंकिंग लेनदेन से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए हैं। कार्वाई में सुपेला, भिलाई भट्ठी, भिलाई नगर थाना पुलिस और अउउव की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी है कि अपना बैंक खाता, एटीएम, पासबुक, चेकबुक या सिम किसी दूसरे व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए न दें। साइबर अपराधी इनका इस्तेमाल ठगी की रकम के लेनदेन में कर सकते हैं और ऐसी स्थिति में खाताधारक भी कानूनी कार्वाई के दायरे में आ सकता है। खाते के गलत इस्तेमाल की जानकारी मिलने पर तत्काल बैंक, पुलिस थाना या साइबर पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है।

दोषमुक्त प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित, 395 मामलों की हुई समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव।

पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के परिप्रेक्ष्य में दोषमुक्त प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आईजी अजय कुमार यादव के निर्देशन में 8 सितंबर को हुई बैठक में मई के 208 और जून के 187 कुल 395 दोषमुक्त प्रकरणों की विवेचना और अभियोजन में हुई त्रुटियों की समीक्षा की गई। समीक्षा में 11 प्रकरणों में विवेचना त्रुटि और 28 प्रकरण अपील योग्य पाए गए। बैठक में आईजी ने गुणवत्तापूर्ण विवेचना और न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर दोषसिद्धि बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में संयुक्त संचालक अभियोजन डी.के. जैन, उप संचालक कुलरंजन कुजूर, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सुनील कुमार राठौर, ललित साहू, एएसपी गीता वाधवानी और डीएसपी नवी मोनिका पांडे उपस्थित रहीं।

बच्चियों को अपनी समस्या बताने के लिए पैदल निकलना पड़े, यह स्वीकार्य नहीं-साय

जिम्मेदारी तय कर लापरवाह अधिकारियों-कर्मचारियों पर कारवाई के निर्देश, सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के शिवपुर एकलव्य आवासीय विद्यालय की छात्राओं के अपनी समस्याओं को लेकर पैदल कलेक्टोरेट के लिए निकलने की घटना को गंभीरता से लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विद्यालय में लंबे समय से समस्याएं बने रहने और छात्राओं को अपनी बात रखने के लिए इस तरह पैदल निकलने की स्थिति उत्पन्न होने पर कड़ी नाराजगी जताई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर से कहा कि बच्चियों को अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालय से पैदल निकलना पड़े, यह स्थिति किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है। यदि विद्यालय में लंबे समय से बिजली सहित अन्य समस्याएं बनी हुई थीं, तो संबंधित अधिकारियों द्वारा समय रहते उनका समाधान क्यों नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को पूरे प्रकरण की जांच कर जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों-कमर्चारियों के विरुद्ध कारवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदिवासी अंचलों के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा तथा मूलभूत सुविधाओं को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्राओं द्वारा सामने लाई गई बिजली, शिक्षकों की कमी, नियमित पढ़ाई, मेस तथा साफ-सफाई से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने

कलेक्टर से कहा कि केवल वतर्मान समस्याओं का समाधान पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे छात्राओं की समस्याएं विद्यालय एवं छात्रावास स्तर पर ही समय पर सुनी और दूर की जा सकें। मुख्यमंत्री ने आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा और अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को किसी परेशानी के समाधान के लिए प्रशासन तक स्वयं पहुंचने की ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। बच्चों की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी लेना तथा समय पर उनका समाधान करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के आदिवासी अंचलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार लगातार संसाधन उपलब्ध करा रही है। इन संसाधनों और योजनाओं का लाभ बच्चों तक सही ढंग से पहुंचे, यह सुनिश्चित करना मैदानी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। शासन की मंशा स्पष्ट है कि प्रत्येक बच्चे को पढ़ाई के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सकारात्मक वातावरण मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे हम पर विश्वास करके आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी छोटी से छोटी समस्या को भी संवेदनशीलता के साथ सुनना और उसका समयबद्ध समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला प्रशासन को छात्राओं से संवाद बनाए रखने और विद्यालय की व्यवस्थाओं में किए जा रहे सुधारों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए।

खास खबर

भाजपा मरोदा-पुरैना एवं रिसाली मंडल की परिचयात्मक और आत्मनिर्भर मंडल की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी मरोदा-पुरैना एवं रिसाली मंडल की परिचयात्मक एवं आत्मनिर्भर मंडल बैठक आज रिसाली मैत्री कुंज के आशीर्वाद भवन में संपन्न हुई। बैठक में रिसाली नगर निगम चुनाव प्रभारी बनने के बाद हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष अनुराग सिंह देव का प्रथम आगमन हुआ, कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। श्री देव ने कहा कि कार्यकर्ता ही असली ताकत हैं, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करना आत्मनिर्भर मंडल है। प्रत्येक कार्यकर्ता 10 नए लोगों को भाजपा से जोड़े और विष्णुदेव सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाए। बैठक में विधायक ललित चंद्राकर, जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा, जिला महामंत्री दिलीप साहू, मंडल प्रभारी शिवेन्द्र परिहार, प्रीतपाल बेलचंदन, दिनेश देवांगन, राजीव पाण्डेय, डॉ. श्वेता शर्मा, सरिता मिश्रा, हिमांशु सिंह, शैलेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री रमशीला साहू सहित दोनों मंडलों के पदाधिकारी, पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरयू पारीण ब्राह्मण समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का 2 अक्टूबर को होगा सम्मान

2 अक्टूबर को समाज के प्रतिभाशाली बच्चों एवं युवाओं का सम्मान किया जाएगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सरयू पारीण ब्राह्मण समाज की कायर्कारिणी सदस्यों की बैठक समाज अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर को समाज के प्रतिभाशाली बच्चों एवं युवाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

समाज के महासचिव रामलखन मिश्रा ने बताया कि सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. राजीव प्रकाश, डायरेक्टर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) भिलाई तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय उपस्थित रहेंगे। समारोह का आयोजन स्मृति नगर स्थित ब्रह्मप्रकाश भवन में दोपहर 3 बजे से किया जाएगा।

समाज अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा ने सभी समाजजनों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रतिभाशाली बच्चों का उत्साहवर्धन एवं आशीर्वाद प्रदान करने की अपील की। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विष्णु पाठक ने बताया कि सम्मान के लिए 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की अंकसूची की प्रति, एक पासपोर्ट साइज फोटो तथा राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने का प्रमाण पत्र जमा किया जा सकता है। संबंधित दस्तावेज समाज के पदाधिकारियों के पास 20 सितंबर तक जमा करने होंगे। विष्णु पाठक ने कहा कि समाज के बच्चे ही देश की आन, बान और शान हैं। बैठक में अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा, रामलखन मिश्रा, नागेंद्र पांडेय, विष्णु पाठक, दिनेश मिश्रा, कैलाश पाठक, सुनील मिश्रा, सुभाष चंद्र पांडेय, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, हरिकृष्ण पांडेय, चंद्रशेखर पांडेय, नबर्दा प्रसाद मिश्र, दीपक मिश्रा, वीरेंद्र नाथ पांडेय, संजय मिश्रा, रविंद्र शुक्ला, राजेंद्र दुबे, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश पांडेय, उदित पांडेय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन कायर्कारी अध्यक्ष नागेंद्र पांडेय ने किया।चाहें तो मैं इसे दैनिक भास्कर/हरिभूमि की 150झ्र200 शब्दों की छोटी अखबारी खबर के रूप में भी बना सकता हूं।

इस्पात गलन शाला-3 में राजभाषा पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र की इस्पात गलन शाला-3 में राजभाषा कायर्शाला के आयोजन के साथ राजभाषा पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ किया गया। यह विभाग द्वारा लगातार दूसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान नोटशीट लेखन, रूपांतरण, निबंध, स्लोगन, स्वरचित कविता वाचन, तात्कालिक भाषण और क्विज सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक एसएमएस-3 त्रिभुवन बैठा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्न का सामूहिक गायन हुआ। अपने संबोधन में बैठा ने व्यक्तिगत जीवन में हिंदी के प्रयोग और महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिंदी एवं अंग्रेजी शब्दकोश की सहायता से दोनों भाषाओं पर अपनी पकड़ मजबूत करने के अनुभव साझा किए।

> पखवाड़े के दौरान नोटशीट लेखन, रूपांतरण, निबंध, स्लोगन, स्वरचित कविता वाचन, तात्कालिक भाषण और क्विज सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन-राजभाषा) जितेंद्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को ह्यकह्न, ह्यखह्न एवं ह्यगह्न क्षेत्रों में किए गए वर्गीकरण, राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित जानकारी दी।

उप प्रबंधक (विद्युत) अचर्ना अतिका सिंह ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि पखवाड़े के दौरान कायर्शाला सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कामिर्कों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस्पात गलन शाला-3 के महाप्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी उमाशंकर परगनिहा ने कहा कि राजभाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का सहज और अधिकाधिक प्रयोग कार्य संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र में राजभाषा के उपयोग एवं कार्यान्वयन के लिए निर्धारित विभिन्न जांच-बिंदुओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में कायर्पालकों के लिए नोटशीट लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके परिणाम पखवाड़े के समापन समारोह में घोषित किए जाएंगे।

भिलाई नगर विधानसभा में विकास की नई रफ्तार, प्रेम प्रकाश पाण्डेय के प्रयासों से 6.74 करोड़ के विकास कार्यों को मिली अनुमति

> सड़क, नाली, सामुदायिक भवन, डोम शेड, उद्यान, सौंदर्यीकरण से लेकर नागरिक सुविधाओं तक होंगे विभिन्न विकास कार्य

भिलाई नगर। भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं और लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय के निरंतर प्रयासों से लगभग ?6 करोड़ 74 लाख 17 हजार की लागत के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

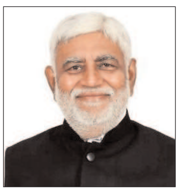

जिला दुर्ग के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-65 भिलाई नगर अंतर्गत प्रस्तावित इन कार्यों का सीधा लाभ क्षेत्र के विभिन्न वार्डों एवं मोहल्लों में रहने वाले नागरिकों को मिलेगा। विकास कार्यों की यह श्रृंखला भिलाई में मूलभूत नागरिक सुविधाओं के विस्तार, सार्वजनिक स्थलों के विकास और अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इन क्षेत्रों और कार्यों को मिलेगी प्राथमिकता

प्रस्तावित विकास कार्यों में दर्री तालाब, मंगल बाजार, श्रमिक नगर, मानस भवन तालाब सहित विभिन्न स्थानों पर डोम शेड निर्माण, मंच निर्माण एवं संरक्षण, सामुदायिक भवन, मानस भवन, सतनाम भवन, विद्यालय भवनों का संधारण, यात्री प्रतीक्षालय, उद्यान विकास एवं चौक सौंदर्यीकरण, महिला व्यायाम कक्ष, सी.सी. रोड, सीमेंट्रीकरण, नाली निर्माण, विद्युत संबंधी कार्य सहित अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं।

इन विकास कार्यों का लाभ विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 38, 40, 41, 46, 47, 48, 49 एवं 51 तथा वैशाली नगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 सहित संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को मिलेगा।

सावन तीज क्वीन महोत्सव का भव्य समापन अंजलि पन्ना बनीं सीनियर तीज क्वीन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

वैशाली नगर स्थित खंडेलवाल भवन में आयोजित सावन तीज क्वीन महोत्सव का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। इस वर्ष आयोजन की थीम ह्यराधा रानीह्न रखी गई थी। महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ फैंसी ड्रेस, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक स्टॉलों ने लोगों का ध्यान खींचा।

तीज क्वीन प्रतियोगिता तीन राउंड में आयोजित की गई, जिसमें परिचय, रैंप वॉक तथा प्रश्नोत्तरी/टैलेंट राउंड शामिल रहे। जूनियर वर्ग में पुष्पा मनीषा प्रथम, संगीता सोनी द्वितीय और नम्रता तृतीय रहीं। सीनियर वर्ग में अंजलि पन्ना प्रथम, भारती द्वितीय और किरण साहू तृतीय स्थान पर रहीं। सुपर सीनियर वर्ग में स्मिता प्रथम, ओम लता द्वितीय और हीना तृतीय रहीं। मेहंदी प्रतियोगिता में निशि जैन प्रथम, शीतल चौधरी द्वितीय और सलमा शेख तृतीय रहीं। पूजा थाली सजाओ में नंदिता ताम्रकार प्रथम, सुनीता अग्रवाल द्वितीय और ओम लता तृतीय रहीं। रंगोली में सुनीता अग्रवाल प्रथम तथा प्राची निमेष द्वितीय रहीं। दुल्हन सजाओ प्रतियोगिता में दुर्गेश नंदिनी प्रथम, संगीता सोनी द्वितीय और संतोषी निषाद तृतीय रहीं।

विशेष पुरस्कारों में बेस्ट स्माइल सुषमा शर्मा, बेस्ट हेयर एकता राय, कॉन्फिडेंट नीलम बिरला, बेस्ट ड्रेस नेहा प्रजापति और बेस्ट वॉक का पुरस्कार संगीता सोनी को मिला। कार्यक्रम में 33 स्टॉल लगाए गए, जिनमें आर्टिफिशियल ज्वेलरी, गेम्स, मसाले, मेहंदी, हैंडबैग, घरेलू उत्पाद और विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल शामिल रहे। फोटोग्राफी पार्टनर ब्लू डी स्टूडियो रहा। मुख्य अतिथि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के साथ रजनी बघेल, विनीता पांडे, दिव्या भसीन मक्कड़, समाजसेवी कन्हैया सोनी, मानसी गुलाटी और भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक सहित विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों की महिलाएं उपस्थित रहीं। निर्णायक मंडल में पूर्व मिस इंडिया लिगेसी 2023 एवं मिसेज यूनिवर्स एडिट 2023 कंचन गुप्ता, नेहा साहू और मनीष चौधरी शामिल रहे। रंगोली, मेहंदी एवं पूजा थाली सजाओ प्रतियोगिता के निर्णायक विकास बीमा एवं प्रतिभा महाराणा रहे। मंच संचालन नम्रता सेन एवं ऋषि घोष ने किया। आयोजन में हरियाणवी बेबो किरण साहू, श्वेता सिंह राजपूत, भावी परमार, हरसिद्धि, कायर लूथरा, नेहा प्रजापति और निहारिका ताम्रकार ने विशेष प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सविता काबड़वाल, पिया भौमिक, जिया फरिश्ता, नंदिता ताम्रकार, पूजा काबड़वाल एवं अधिवक्ता राजेश मिश्रा रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। आयोजन समिति अध्यक्ष ललित मोहन ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।चाहें तो इसे मैं दैनिक भास्कर की 250 शब्दों वाली ज्यादा आकर्षक लोकल न्यूज शैली में भी कस सकता हूं।

पावर जोन के 12 कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

> विजेताओं के जीवनसाथियों को भी प्रशंसा पत्र दिए गए। अधिकारियों ने कार्मिकों के कार्यस्थल पर योगदान और उपलब्धियों की सराहना की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में पावर जोन के उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले 12 कामिर्कों को विभिन्न महीनों के कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार उन कामिर्कों को प्रदान किया जाता है, जो उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हैं और संयंत्र के लक्ष्यों की प्राप्ति में नवीनता व उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हैं।

समारोह में जून 2024 के लिए चाजर्मैन कम सीनियर तकनीशियन, पी एंड बीएस प्रकाश राउत, जनवरी 2025 के लिए जूनियर इंजीनियर, पी एंड बीएस बिचित्र नायक, फरवरी के लिए चाजर्मैन कम सीनियर ऑपरेटर, पी एंड बीएस छबि राम पैकरा, मार्च के लिए जूनियर इंजीनियर, पी एंड बीएस सिमत सिंह मसराम तथा अप्रैल के लिए चाजर्मैन कम सीनियर तकनीशियन, पीईएम शिव शंकर बैरागी को सम्मानित किया गया।

इसी तरह मई 2025 के लिए इंजीनियरिंग एसोसिएट, पी एंड बीएस फूलदास, जून के लिए जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट अमित कुमार सिंह, जुलाई के लिए टेक्निकल एसोसिएट नवनीत कुमार, अगस्त के लिए इंजीनियरिंग एसोसिएट चंद्रकांत तुकाराम घागरे, सितंबर के लिए जूनियर इंजीनियर नकुल प्रसाद वर्मा, अक्टूबर के लिए चाजर्मैन कम सीनियर तकनीशियन हरीश चंद मसतकर तथा नवंबर के लिए इंजीनियरिंग एसोसिएट रमेश चौधरी को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक, पावर फैसिलिटीज शेख जाकिर ने की। पावर जोन के महाप्रबंधक पी. कृष्ण मोहन, घनश्याम प्रसाद कुर्रे, संजय अग्रवाल, सैय्यद हुसैन असद, उप महाप्रबंधक, पीईएम विजय कुमार सैनी तथा उप महाप्रबंधक, पी एंड बीएस तरुण कुमार दत्ता ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए। विजेताओं के जीवनसाथियों को भी प्रशंसा पत्र दिए गए। अधिकारियों ने कामिर्कों के कार्यस्थल पर योगदान और उपलब्धियों की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन कार्यालय की सहायक प्रबंधक नवनीता चौहान ने किया। आभार प्रदर्शन अनुभाग अधिकारी, मानव संसाधन-एम एंड यू डामेश्वरी बेलसर ने किया।

नुआखाई जुहार शोभायात्रा में शामिल हुए दुर्ग सांसद विजय बघेल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

पटेल चौक में दुर्गा उत्कल परिवार द्वारा नुआखाई जुहार शोभायात्रा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने मां समलेश्वरी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अचर्ना की। आयोजकों ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। सांसद बघेल ने कहा कि नुआखाई पवित्र पर्व है, भारत की विविधता में एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग बोली-भाषा के बावजूद हम भाईचारे से रहते हैं। उन्होंने सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में अभिषेक टंडन, सेनापति अर्जुन कुमार लंगुर, सोनी, प्रदीप छत्री, जितेंद्र टांडी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

G20 शिखर सम्मेलन में सहमति नहीं, चीन-अमेरिका की नीतियों से बढ़ी मुश्किल

जी-20 अर्थव्यवस्थाओं के वित्तीय ट्रैक के नेताओं की बैठक इस सप्ताह अमेरिका की अध्यक्षता के तहत नॉर्थ कैरोलाइना के ऐशविल में हुई। अमेरिका का वित्तीय या फाइनेंस ट्रैक के प्रति नजरिया तीन मुद्दों को प्राथमिकता देता है- वृद्धि, वैश्विक असंतुलन और वित्तीय साक्षरता। ये प्राथमिकताएं भारत और समूह के अधिकांश सदस्यों की भी हैं।

हालांकि ऐशविल शिखर सम्मेलन में सहमति नहीं बन सकी और इसके कारण समझना आसान है। 20 में से 19 सदस्य अध्यक्ष के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हो गए लेकिन चीन इसके लिए तैयार नहीं हुआ। भंडार और व्यापार अधिशेष के रूप में वैश्विक असंतुलनों से लाभान्वित होने के कारण उसने लगातार इन्हें समस्या मानने से इनकार किया है। परंतु घोषणापत्र में उल्लेख किया गया कि बड़े पैमाने पर असंतुलन प्रमुख वैश्विक अस्थिरता का कारण हैं और इनके नकारात्मक प्रभाव भी पड़ते हैं। ये कुछ अर्थव्यवस्थाओं में गैर-बाजार स्थितियों और गैर-शुल्क बाधाओं के लक्षण भी हैं।

इस मामले में यह स्पष्ट है कि ये चिंताएं ठोस बुनियाद पर आधारित हैं। चीन के बाजार बाहर की कंपनियों के लिए काफी हद तक बंद हैं। अर्थव्यवस्था पर कम्युनिस्ट पार्टी का अतिशय नियंत्रण उसे निवेश को प्राथमिकता देने पर विवश करता है, यहां तक कि स्वस्थ खपत पर भी जरूरत से ज्यादा निवेश को तरजीह दी जाती है जो विश्व स्तर पर समग्र मांग को बढ़ा सकता है।

इसके अलावा कुछ उत्पादन और निर्यात क्षेत्रों में उसके लक्षित यद्यपि छिपे हुए सब्सिडी बाजार सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और उन शर्तों के विपरीत हैं जिन पर उसे 2001 में विश्व व्यापार संगठन में शामिल किया गया था। इस मुद्दे पर चीन का अलग-थलग पड़ना इस बात का संकेत है कि उसने लगातार इन चिंताओं को संबोधित करने से इनकार किया है और अब तो इस बात से भी नकार रहा है कि वे मौजूद हैं। इसका मकसद इस शिखर सम्मेलन और ऐसे अन्य प्रयासों को जो उसके लगातार बने रहने वाले असंतुलन की समस्या को संबोधित करने के लिए किए जाते हैं, चीनी अर्थव्यवस्था की बढ़त को रोकने की कोशिश के तौर पर पेश करना है।

अगर इसी अवधि में अमेरिका ने खुद यह दावा करके अपनी विश्वसनीयता नष्ट नहीं की होती कि एकतरफा शुल्क वह उचित तरीका है जिसके जरिये असंतुलन की समस्या का समाधान किया जा सकता है तो इसे कोई स्वीकार नहीं करता। जिस तरह चीन अपनी गैर-बाजार नीतियों और व्यापार व्यवस्था के अपने हित में इस्तेमाल को लेकर दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है उसी तरह अमेरिका भी पिछले कुछ वर्षों में उसके द्वारा अपनाए गए एकतरफावाद और व्यापारिक राष्ट्रवाद के कारण लगभग उसी हालत में है। यह स्थिति विशेष रूप से तब से बनी है जब से डॉनल्ड ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं। ट्रंप द्वारा शुरू में लगाए गये शुल्क सीधे तौर पर व्यापार घाटे को निशाना बनाने के लिए तैयार किए गए थे। लेकिन व्यापार असंतुलन अपने-आप में गहरी समस्याओं के लक्षण हैं-बचत और निवेश के बीच असंतुलित व्यवस्था और ऐसी अर्थव्यवस्थाएं जो जरूरत से ज्यादा या तो बचत पर या फिर खपत पर निर्भर हैं। इसलिए बीमारी का इलाज करने के बजाय उसके लक्षण को दूर करने की कोशिश करना, खासकर एकतरफा और बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के ऐसा करना अतार्किक नीति-निर्माण है। यह जरूरी है कि चीन के सभी व्यापारिक साझेदार उस पर अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार करने के लिए दबाव डालें ताकि वहां घरेलू खपत बढ़े और चीन विदेशी तैयार वस्तुओं के लिए एक बड़ा बाजार बन सके। जी 20 का उद्देश्य इन दोनों समस्याओं का सामूहिक और सहयोगपूर्ण तरीके से समाधान करना होना चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो यह शिखर सम्मेलन अपने उद्देश्य को हासिल करने में विफल रहा।

युवा, सच्चाई और मोदी का भारत सपनों से संकल्प तक

भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जिसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। करोड़ों युवा अपने सपनों, ऊर्जा, प्रतिभा और मेहनत के साथ देश को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि आज भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था में युवाओं की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। युवा केवल चुनावों में मतदाता नहीं हैं, वे देश की नीतियों के सबसे महत्वपूर्ण हितधारक हैं। उनके सपने ही आने वाले भारत की तस्वीर तय करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में भारत की विकास यात्रा को एक नई राजनीतिक भाषा और नई प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास हुआ है। आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप, कौशल विकास, स्वरोजगार, मेक इन इंडिया और तकनीकी नवाचार जैसे विषयों को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में लाया गया। इन पहलों ने बड़ी संख्या में युवाओं को अपने भविष्य के बारे में नए तरीके से सोचने का अवसर दिया है।

किसी भी नेतृत्व की वास्तविक परीक्षा उसके नारों से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से होती है। यही वह बिंदु है जहां युवा पीढ़ी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। युवा को किसी भी राजनीतिक नेतृत्व का समर्थक होने से पहले जागरूक नागरिक होना चाहिए। समर्थन हो तो तथ्यों के आधार पर और असहमति हो तो भी तथ्यों के आधार पर। लोकतंत्र में यही स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति है। आज सोशल मीडिया ने सूचना को अत्यंत तेज बना दिया है। एक संदेश कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। लेकिन सूचना की गति जितनी बढ़ी है, गलत सूचना का खतरा भी उतना ही बढ़ा है। राजनीतिक दलों के समर्थक अपने-अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए सूचनाओं का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे माहौल में युवा पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती है—सच और प्रचार के बीच अंतर करना।

सच्चाई केवल यह नहीं है कि सरकार ने क्या किया। सच्चाई यह भी है कि क्या नहीं हो पाया, क्यों नहीं हो पाया और भविष्य में क्या किया जाना चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार से सवाल पूछना लोकतंत्र विरोधी कदम नहीं है। बल्कि सवाल पूछने वाला नागरिक लोकतंत्र को मजबूत करता है। इसलिए मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा होनी चाहिए तो उसकी नीतियों और उनके प्रभाव पर सवाल भी उसी मजबूती से पूछे जाने चाहिए। युवाओं के लिए रोजगार आज भी सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। डिग्री हासिल करने के बाद रोजगार की तलाश, प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, निजी क्षेत्र में अवसर और बदलती तकनीक के कारण रोजगार का स्वरूप—ये सभी प्रश्न युवा जीवन से सीधे जुड़े हुए हैं। भारत को यदि विकसित राष्ट्र बनना है तो केवल आर्थिक विकास की दर बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। ऐसा विकास चाहिए जिसमें युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, उद्यमिता के अवसर और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने का मंच मिले।

भारत के युवाओं में आज सरकारी नौकरी से आगे बढ़कर अपना व्यवसाय शुरू करने और नए विचारों पर काम करने का साहस भी दिखाई देता है। स्टार्टअप संस्कृति ने यह संदेश दिया है कि रोजगार मांगने वाला युवा रोजगार देने वाला भी बन सकता है। लेकिन इसके लिए आसान ऋण, बाजार, प्रशिक्षण, पारदर्शी व्यवस्था और असफल होने के बाद दोबारा खड़े होने का अवसर भी जरूरी है। सरकार की योजनाओं का वास्तविक मूल्य तभी है जब उनका लाभ कागज से निकलकर छोटे शहरों, कस्बों और सामान्य परिवारों के युवाओं तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति में युवाओं की भागीदारी और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य पर लगातार जोर दिया है। यह लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब युवा केवल भाषण सुनने वाला वर्ग न होकर नीति और विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बने। देश के विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों,

उद्योगों और प्रशासन में युवाओं की रचनात्मक भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। सच्चाई का सवाल राजनीति तक सीमित नहीं है। समाज में भी ईमानदारी और जिम्मेदारी की जरूरत है। परीक्षा में नकल से लेकर नौकरी में भ्रष्टाचार, फर्जी दस्तावेजों से लेकर साइबर ठगी तक—हर स्तर पर युवा पीढ़ी को यह तय करना होगा कि वह किस तरह का भारत बनाना चाहती है। सरकार कानून बना सकती है, पुलिस व्यवस्था मजबूत कर सकती है और योजनाएं चला सकती है, लेकिन ईमानदार समाज का निर्माण नागरिकों की भागीदारी से ही होगा।

मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को अधिक मुखर बनाने का प्रयास किया है। भारत की विदेश नीति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे के विस्तार ने देश की बदलती छवि को सामने रखा है। इन उपलब्धियों पर गर्व होना स्वाभाविक है। लेकिन गर्व के साथ आत्ममंथन भी जरूरी है। दुनिया में आगे बढ़ते भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ समाज के कमजोर और सामान्य वर्ग तक पहुंचे। युवा पीढ़ी को किसी नेता की लोकप्रियता से प्रभावित होने के बजाय उसके काम का मूल्यांकन करना चाहिए। लोकतंत्र में नेता जनता के लिए होते हैं और जनता ही उनकी अंतिम कसौटी है। यदि सरकार अच्छा काम करती है तो उसकी सराहना होनी चाहिए और यदि किसी नीति में कमी है तो उसे सुधारने की मांग भी होनी चाहिए। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता है।

आज भारत को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो सोशल मीडिया पर केवल प्रतिक्रिया देने वाले नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं पर समाधान खोजने वाले हों। जिन्हें जाति, धर्म, क्षेत्र और राजनीतिक पसंद से ऊपर उठकर देश के विकास को देखने की क्षमता हो। जिन्हें यह समझ हो कि देश केवल सरकार से नहीं बनता। सरकार व्यवस्था चलाती है, लेकिन देश उसके नागरिक बनाते हैं।

मोदी युग की राजनीति ने भारतीय युवाओं के सामने बड़े सपनों की तस्वीर रखी है। विकसित भारत का लक्ष्य, आत्मनिर्भरता की बात और वैश्विक स्तर पर भारत को मजबूत बनाने की आकांक्षा निश्चित रूप से महत्वाकांक्षी है। मगर किसी भी बड़े सपने को साकार करने के लिए केवल नेतृत्व पर्याप्त नहीं होता। उसके लिए करोड़ों युवाओं की मेहनत, ईमानदारी, अनुशासन और वैज्ञानिक सोच जरूरी है।

इसलिए आज जरूरत न तो अंधसमर्थन की है और न ही अंधविरोध की। जरूरत है तथ्यों पर आधारित संवाद की। युवा प्रधानमंत्री मोदी के काम को भी परखें, सरकार की नीतियों को भी समझें और अपनी समस्याओं को लेकर सवाल भी उठाएं। लोकतंत्र में यही स्वस्थ रास्ता है। भारत का भविष्य संसद से जितना तय होगा, उतना ही कक्षा, प्रयोगशाला, खेत, कारखाने, स्टार्टअप और कार्यस्थल पर भी तय होगा। इस भविष्य के सबसे बड़े निर्माता भारत के युवा हैं। यदि युवा सच्चाई को अपना आधार, मेहनत को अपना हथियार और राष्ट्रहित को अपनी प्राथमिकता बना लें, तो भारत की विकास यात्रा को कोई शक्ति रोक नहीं सकती। नेतृत्व दिशा दे सकता है, सरकार अवसर दे सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण का अंतिम दायित्व नागरिकों का ही होता है। आज भारत को ऐसे युवाओं की जरूरत है जो सवाल पूछें, सीखें, मेहनत करें, गलत सूचना से बचें और सही को सही कहने का साहस रखें। मोदी का भारत तभी वास्तव में मजबूत और विकसित भारत बनेगा, जब उसकी युवा शक्ति केवल नारों में नहीं, बल्कि अपने कर्म, ईमानदारी और जिम्मेदारी में राष्ट्र की नई तस्वीर लिखेगी।

(सच्चाई के साथ खड़ा युवा ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है और जागरूक युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत।)

तकनीक से बदली खेती की तस्वीर, डिजिटल क्रॉप सर्वे में रचा इतिहास

विष्णु प्रसाद वर्मा,

सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ का नवगठित जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ तकनीक के प्रभावी उपयोग और दूरदर्शी प्रशासनिक रणनीति के बल पर प्रदेश में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कृषि क्षेत्र को पारदर्शी और आधुनिक बनाने की दिशा में संचालित राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना डिजिटल क्रॉप सर्वे के क्रियान्वयन में जिले ने समूचे प्रदेश को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। प्रदेश स्तरीय रिपोर्ट में 87 प्रतिशत कार्य पूणर्ता के साथ सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने यह शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जबकि 86 प्रतिशत के साथ खैरागढ़ दूसरे और 81 प्रतिशत के साथ कोरिया तीसरे स्थान पर है।

मैदानी स्तर पर मुस्तैदी और कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के बूते जिले में कुल 53 हजार 524 लक्षित प्लॉटों के सापेक्ष 47 हजार 350 प्लॉटों का सर्वे पूरा कर लिया गया है, जो 88.45 प्रतिशत की वास्तविक प्रगति को दर्शाता है। केवल सर्वे ही नहीं, बल्कि डेटा सत्यापन और अनुमोदन में भी तेजी लाते हुए 35 हजार 476 मामलों को अनुमोदित किया जा चुका है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की सभी छह तहसीलों में सर्वे का काम एक होड़ की तरह आगे बढ़ रहा है, जिसमें 93.27 प्रतिशत प्रगति के साथ सारसींवा तहसील सबसे आगे है। इसके ठीक पीछे भटगांव तहसील ने 93.15 प्रतिशत का आंकड़ा हासिल कर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। जिले के सबसे बड़े राजस्व क्षेत्र सारंगढ़ ने भी 88.60 प्रतिशत सर्वे पूर्ण करने के साथ-साथ सर्वाधिक 84.36 प्रतिशत अनुमोदन दर्ज कराकर प्रशासनिक दक्षता की मिसाल पेश की है। इसी तरह सारिया, बिलाईगढ़ और बरमकेला तहसीलों में भी 84 से 86 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। राजस्व और कृषि विभाग की पूरी टीम शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए मुस्तैद है। मैदानी अमले के साथ सतत समन्वय और नियमित समीक्षा के बल पर बचे हुए प्लॉटों का काम भी तेजी से निपटाया जा रहा है। फसलों का यह सटीक डिजिटल ब्योरा न केवल पारदर्शी व्यवस्था बनाएगा, बल्कि आने वाले समय में किसानों को बीमा दावों से लेकर शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

कविता का कोना

ज़िंदगी क्यों ऐसे मोड़ पर आती है

ज़िंदगी क्यों ऐसे मोड़ पर आती है,
जहाँ रात भी दिन नजर आती है।
नींद नहीं आती इन आँखों में,
पूरी रात करवटों में निकल जाती है।

जो सोचते हैं, वो उम्मीदें ही रह जाती हैं,
कुछ बातें दिल में ही दब जाती हैं।
सपनों की नाव किनारे तक पहुँचती नहीं,
लहरें आती हैं और बीच में ही डुबो जाती हैं।

सर पर रखा है एक ऐसा बोझ,
जिससे गर्दन तक झुक जाती है।
हँसने की कोशिश करता हूँ फिर भी,
आँखों में नमी उतर आती है।

कभी लगता है सब ठीक हो जाएगा,
कभी हर राह बंद नजर आती है।
अपने ही सवालों में उलझकर,
ज़िंदगी खुद से ही रूठ जाती है।

न जाने क्यों, न जाने कैसे,
हर खुशी दूर चली जाती है।
जितना संभालना चाहता हूँ खुद को,
उतनी ही उलझन बढ़ती जाती है।

फिर भी दिल कहता है—चलते रह,
सुबह कभी तो आएगी।
आज अगर रात बहुत लंबी है,
तो कल नई रोशनी भी आएगी।

ज़िंदगी क्यों न जाने किस मोड़ पर आती है,
कभी रुलाती है, कभी हँसाती है।
टूटकर भी इंसान जीता रहता है,
यही तो ज़िंदगी कहलाती है।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

विशेष लेख

धनंजय राठौर

संयुक्त संचालक

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदशिर्ता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए।

सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभाथिर्यों को सौंपे जा चुके हैं।

इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे।

महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की

रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है।

बस्तर में बदलाव सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। नक्सलवाद दशकों से बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक जीत हासिल हुई है। बस्तर में सुरक्षा कारर्वाई के साथ विकास और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की नीति अपनाई गई, जिससे बस्तर के लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ। ह्यनियद नेल्ला नार 2.0ह्य और ह्यबस्तर मुन्ने अभियानह्य के जरिए विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। बस्तर में लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की ह्यआजीविका उन्नयन योजनाह्य तैयार की गई है।

बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए ह्यमुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवाह्य शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। सरकार का जोर अब बस्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर शिक्षा, पर्यटन, आजीविका और उद्योगों की नई पहचान देने पर है।

उद्योग के क्षेत्र में राज्य में निवेश लाने के साथ उद्योगों की स्थापना की प्रक्रियाओं को आसान पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 लाने वाला राज्य देश का पहला राज्य बना। जन विश्वास सुधारों के जरिए 279 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वन-क्लिक सिंगल विंडो व्यवस्था, सरल भूमि डायवर्जन और रजिस्ट्री के बाद स्वतः नामांतरण जैसे सुधार किए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के बाद 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.72लाख से अधिक संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण शिविर का लिया जायजा

बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान के दूसरे दिन गुरूर विकासखण्ड के 413 दिव्यांगजनों का हुआ पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा आज समाज कल्याण विभाग कार्यालय परिसर में दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान 2026 अंतर्गत हर पात्र बच्चे तक प्रमाण-पत्र और अधिकार कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने शिविर में पहुँचे दिव्यांग बच्चों एवं उनके परिजनों से भेंट कर शिविर में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने वहाँ उपस्थित अधिकारियों से कहा कि सभी आगन्तुक दिव्यांगजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा नही होनी चाहिए। उन्होंने शिविर में पहुँचे दिव्यांगजनों, जिन्हें माइनर सर्जरी की आवश्यकता है उन्हें चिन्हांकित कर सर्जरी हेतु आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने शिविर में लर्निंग डिसेबिलिटी बच्चों के प्रमाणीकरण हेतु क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट को भी शिविर में उपस्थित रहकर प्रमाणीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वहाँ कृत्रिम अंग की आवश्यकता वाले दिव्यांगजनों का नाप लेने तथा 15 दिवस के भीतर उन्हें कृत्रिम अंग प्रदान करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने दो दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किया।

अभियान के दूसरे दिन आज आयोजित शिविर में गुरूर विकासखण्ड के दिव्यांगजन शामिल हुए। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक अजय गेडाम ने बताया कि शिविर में कुल 413 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया, जिसमें से 35 दिव्यांगजनों को नवीन दिव्यांग प्रमाण-पत्र एवं 08 दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण-पत्र का नवीनीकरण कर शिविर स्थल पर ही तत्काल वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में कुल 28 दिव्यांगजनों का यूनिक आईडी कार्ड, 38 दिव्यांगजनों को सहायक

उपकरण, 13 दिव्यांगजनों का छात्रवृत्ति, 27 दिव्यांगजनों का फिजियोथैरेपी तथा 86 दिव्यांगजनों को विशेष शिक्षा से लाभान्वित किया गया। साथ ही 09 दिव्यांगजनों का कृत्रिम पैर हेतु पंजीयन कर नाप लिया गया। इसके अतिरिक्त 04 छात्राओं को सिकलसेल दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किया गया तथा 10 छात्र-छात्राओं का सिकलसेल जांच हेतु ब्लड सैम्पल लिया गया। शिविर में 21 छात्र-छात्राएं स्पेसिफिक लर्निंग दिव्यांगता से ग्रसित पाए गए, जिनकी रिपोर्ट परीक्षण हेतु जिला अस्पताल बालोद एवं सीआरसी सेन्टर राजनांदगांव भेजा जा रहा है, रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत इन्हें भी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

शिविर के दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित घरौंदा आश्रय गृह में निवासरत कुल 40 दिव्यांगजनों को विशेष शिक्षा से संबंधित जानकारी दी गई। शिविर में पहुंचे सभी 413 दिव्यांग बच्चों व उनके परिजनों को विभाग द्वारा संचालित पेंशन, उपकरण एवं छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध कराए गए तथा जिला निःशक्त पुनर्वास केन्द्र (डीडीआरसी), घरौंदा आश्रय गृह एवं स्वावलंबन केन्द्र की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

शिविर में उपस्थित दिव्यांगजनों एवं उनके सहायकों के लिए स्वअल्पाहार, पेयजल, भोजन तथा उनके निवास स्थल से शिविर तक लाने-ले जाने हेतु बस की समुचित व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग, डीडीआरसी, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, जनपद पंचायत गुरूर के अधिकारी-कमर्चारी एवं स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री अजय गेडाम ने बताया कि कल 09 सितंबर को शिविर में गुण्डरदेही विकासखण्ड के दिव्यांगजन शामिल होंगे।

खास खबर

रायपुर की 40% आबादी को मिलेगी बेहतर बिजली, दलदलसिवनी में 220 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी की 40 प्रतिशत आबादी को बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए 60 करोड़ की लागत से बना 220 केवी का नया उपकेंद्र दलदलसिवनी में आज ऊर्जीकृत किया गया। इससे ढाई लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर ने स्विच ऑन किया। उपकेंद्र में 160 एमवीए का एक और 63 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं, दो माह में 160 एमवीए का एक और ट्रांसफार्मर लगेगा। इस उपकेंद्र से 132 केवी की दो लाइनें कचना और उरला तथा 33 केवी के 8 फीडर निकाले जाएंगे, जिनमें 7 शहर और 1 ग्रामीण के लिए होगा। साथ ही उरला, सिलतरा और मेटल पार्क के औद्योगिक क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पावर कंपनीज चेयरमैन सुबोध कुमार सिंह ने उपलब्धि पर बधाई दी।

पुरानी बस्ती ज्वेलर्स चोरी का खुलासा, 2 शातिर समेत 3 गिरफ्तार, 4.50 लाख का माल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुरानी बस्ती क्षेत्र के न्यू नंदी ज्वेलर्स में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 2 आरोपी और 1 विधि से संघर्षरत बालक गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थी अजय मंडल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 31 अगस्त की रात कुशालपुर स्थित दुकान का ताला तोड़कर 4 लाख के चांदी के जेवरात, सिक्के, कटोरी, चम्मच और गिलास चोरी हो गए। अपराध क्र. 460/26 दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर सूचना पर कबीर नगर निवासी संजय चौहान को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने साथी के साथ चोरी कबूली। आरोपी होरी लाल पंकज और एक नाबालिग को भी पकड़ा गया। कब्जे से 4.50 लाख का चांदी का सामान और मेस्ट्रो वाहन जब्त किया गया। संजय चौहान शातिर है, डीडी नगर, कोतवाली, गुढ़ियारी समेत आधा दर्जन चोरी-नकबजनी मामलों में जेल जा चुका है। होरी लाल पंकज पर सरस्वती नगर में धोखाधड़ी का केस भी दर्ज है।

बेहतर शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान करना हमारी प्राथमिकता : गजेंद्र यादव

वनांचल की प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने से खुलेंगे सफलता के नए द्वार

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने की है। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी का भाव देना भी जरूरी है। उक्त बाते स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने जिला प्रवास के दौरान पीएम श्री आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मानपुर में आयोजित दैनिक भास्कर प्रतिभा सम्मान समारोह में कही। कार्यक्रम में उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मांडवी, जनपद सदस्य मानपुर श्रीमती रेणु टांडिया, कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, जनप्रतिनिधि श्री दिलीप वर्मा, मदन साहू, राजू टांडिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जवानों के शौर्य, साहस और समर्पण से आज छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। अब नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ क्षेत्र में विकास एवं निर्माण के कार्यों को गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव शिक्षा है। वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की भरमार है। यहां के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं सहित शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित कर रहे हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए कैरियर काउंसलिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर सफलता की दिशा में आगे बढ़ सकें।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाओं पर जोर

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शिक्षा गुणवत्ता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से शासकीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वनांचल क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी दूर करने के साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग भी बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास और ई-विद्या चैनल के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं विषय विशेषज्ञों की शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। जिन विद्यालयों में शौचालय अथवा अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता है, उनकी जरूरतों को चिन्हांकित कर वीबी-राम जी के माध्यम से पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल ह्यन्योता भोजह्न का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य समाज को विद्यालयों से जोड़ना है। लोग अपने जीवन के विशेष अवसरों को विद्यालय के बच्चों के साथ मनाकर उनके साथ खुशियां साझा कर सकते हैं। इससे विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र न रहकर समाज और बच्चों के बीच जुड़ाव का माध्यम भी बनेगा।

शिक्षा के साथ खेल और संस्कार भी जरूरी

शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य की नींव तैयार करने वाला केंद्र है। इसलिए केवल विद्यालय के विकास की नहीं, बल्कि वहां पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे के भविष्य की चिंता करना जरूरी है। विद्यालय का विकास केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षक, अभिभावक, जनप्रतिनिधि, प्रशासन और समाज को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षा के साथ उन्हें अच्छे संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी का भाव भी दिया जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से विद्यालयों में प्रार्थना, राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान जैसी गतिविधियों को सुनिश्चित किया गया है। श्री यादव ने जिले में खेल गतिविधियों और खेल अधोसंरचना को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। वनांचल क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों को शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए बेहतर वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में जिले के सभी विकासखंडों में बालिकाओं के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय प्रारंभ किए जाएंगे।

कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण बिना अनुमोदित स्त्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशक विक्रय पर प्रतिबंध

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

आज कृषि विभाग, विकासखंड साजा की टीम द्वारा नगर पंचायत देवकर में संचालित कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि आदानों की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं वैधानिक दस्तावेजों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान श्रीजल कृषि केन्द्र एवं आहान कृषि केन्द्र, देवकर में कीटनाशकों के विक्रय हेतु अनुमोदित स्त्रोत प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं पाए जाने पर संबंधित कीटनाशकों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया। उक्त कार्रवाई कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियम, 1971 के प्रावधानों के तहत की गई। इसी क्रम में चंद्राकर कृषि केन्द्र, देवकर के निरीक्षण के दौरान रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच हेतु 04 उर्वरक नमूने लिए गए, जिन्हें नियमानुसार परीक्षण के लिए प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त परीक्षण परिणाम के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। औचक निरीक्षण के दौरान दिनेश कुमार धुर्वे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड साजा एवं विनय कुमार शर्मा, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कार्यालय साजा उपस्थित रहे।

चेक मीटर की गलत रीडिंग लेने वाले बैकुंठपुर खए को नोटिस

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर।

बैकुंठपुर में स्मार्ट मीटर और चेक मीटर रीडिंग में अंतर की शिकायत को उरढउळछ ने गंभीरता से लेते हुए अधीक्षण अभियंता से जांच कराई। जांच में दोनों मीटर की रीडिंग सही पाई गई, गलती खए द्वारा रीडिंग लेने में हुई थी। क्षेत्रीय मुख्य अभियंता यशवंत सिलेदार ने बताया कि उपभोक्ता भावना गुप्ता के घर 27 जुलाई को चेक मीटर लगाया गया था। उस समय स्मार्ट मीटर 5374 और चेक मीटर 2474 यूनिट था। 7 अगस्त को स्मार्ट 5676 और चेक 2777 दर्ज हुआ, यानी 10 दिन में खपत क्रमशः 302 और 303 यूनिट, अंतर सिर्फ 1 यूनिट जो सीमा के भीतर है। जांच में पता चला कि खए ने 7 अगस्त की जगह 31 जुलाई की रीडिंग दर्ज कर दी थी, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग से पुष्टि हुई। इस त्रुटि के लिए खए को नोटिस जारी किया गया है। रिपोर्ट में स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली में कोई विसंगति नहीं मिली।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न लापरवाह निर्माण एजेंसियों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में जिला जल स्वच्छता बनाए की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि स्वीकृत काययीजना के तहत अक्टूबर 2026 तक पूर्ण होने वाली योजनाओं में जिनमें 5 से 10 प्रतिशत कार्य ही शेष है, लेकिन एजेंसियों द्वारा रुचि नहीं ली जा रही है, ऐसी एजेंसियों को नोटिस जारी कर सख्त कार्वाई की जाए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पूर्व में नोटिस के बाद भी कार्य में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों को आज ही अंतिम नोटिस जारी किया जाए। समय पर कार्य पूर्ण न करने पर टेंडर निरस्त कर जमा राशि राजसात की जाएगी। बैठक में नल जल मित्र कार्यक्रम के तहत 18 ग्राम पंचायतों में कार्यरत प्रशिक्षु नल जल मित्रों के लंबित भुगतान की सूची तैयार कर सीईओ जिला पंचायत को देने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत प्रेमलता पद्माकर ,पीएचई के कायर्पालन अभियंता जे.पी. गोंड सहित जल जीवन मिशन अंतर्गत गठित समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

शासकीय भूमि पर रोक के बावजूद निर्माण का आरोप, कलेक्टर से कारर्वाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु /खैरागढ़

ग्राम बुंदेली में खसरा नंबर 763 (0.372 हेक्टेयर) घास मद की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण और निर्माण को लेकर विवाद गहराया है। आवेदक रामजी सोनी ने कलेक्टर से कार्वाई की मांग की है।

आवेदक के अनुसार तहसीलदार न्यायालय छुईखदान में राजस्व प्रकरण दर्ज है और 13 मई 2026 को निर्माण पर स्थगन आदेश जारी हुआ था। बावजूद इसके सरपंच दिवाकर सोनी द्वारा निर्माण जारी रखने का आरोप है।

मामले में हाईकोर्ट बिलासपुर में हढउ 1903/2025 भी विचाराधीन बताया गया है। 13 जुलाई को तहसीलदार को शिकायत देने के बाद भी कार्वाई नहीं होने पर तहसीलदार पर संरक्षण का आरोप लगाया है। आवेदक ने कलेक्टर से निर्माण रोकने, यथास्थिति बनाए रखने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। आरोपों पर सरपंच और अधिकारियों का पक्ष आना बाकी है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के अनंतिम मूल्यांकन पत्रक पर दावा-आपत्ति 8 से 17 सितंबर तक

नई दृष्टिबिंदु /बेमेतरा

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र झाल क्रमांक 02 में सहायिका के 01 रिक्त पद पर भर्ती के लिए प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के सारणीकरण एवं मूल्यांकन के पश्चात अनंतिम/प्रावधिक मूल्यांकन पत्रक एवं सूची प्रकाशित की गई है।

ई-भर्ती पोर्टल पर ऑनलाइन दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं

उक्त भर्ती प्रक्रिया संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर के निर्देशानुसार एवं शासन द्वारा जारी नियुक्ति निर्देशों के तहत की जा रही है। आंगनबाड़ी केन्द्र झाल क्रमांक 02 में सहायिका के 01 पद के लिए ऑनलाइन आवेदन 27 जुलाई 2026 से 11 अगस्त 2026 तक आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन के उपरांत 25 अगस्त 2026 को आयोजित मूल्यांकन समिति की बैठक में अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रकाशित अनंतिम मूल्यांकन पत्रक/सूची के संबंध में यदि किसी आवेदिका/अभ्यर्थी को कोई दावा-आपत्ति हो, तो वे मय साक्ष्य के ई-भर्ती पोर्टल पर ऑनलाइन दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अवधि 08 सितंबर 2026 से 17 सितंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाली किसी भी दावा-आपत्ति को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ई-रिक्शा और ऑटो में दफकोड व्यवस्था होगी और सख्त, पुलिस और डीलर्स की संयुक्त बैठक

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

ई-रिक्शा और ऑटो में दफ कोड व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए रायपुर ट्रैफिक पुलिस और डीलर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अचर्ना झा के निर्देशन में एडिशनल डीसीपी कार्यालय में हुई बैठक में 25 से अधिक डीलर्स शामिल हुए। 1. नई खरीदी और सर्विसिंग के दौरान वाहन और चालक की जानकारी के लिए निर्धारित फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। 2. लंबित वाहनों के लिए पंजीयन पोर्टल फिर से खोला जाएगा। 3. सितंबर 2026 तक पंजीयन निःशुल्क रहेगा। दफ कोड से वाहन, चालक और संबंधित जानकारी यात्रियों को आसानी से मिलेगी, जिससे सुरक्षा और सुविधा बढ़ेगी। पुलिस ने सभी संचालकों से समय पर पंजीयन कराने की अपील की।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

- **2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा**

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम में बड़ा बदलाव, नया कोच नियुक्त

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को बताया कि कड़ी भर्ती प्रक्रिया के बाद मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज जो दोनों टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, उम्मीद है कि उसमें न्यूजीलैंड के कोल्स जिम्बाब्वे टीम के कोच की भूमिका में नजर आएंगे।

कोल्स पहले पाकिस्तान और स्कॉटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं और स्कॉटलैंड की पुरुष टीम की भी मदद कर चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में हाई परफॉर्मेंस मैनेजर के तौर पर काम किया है और ऑस्ट्रेलिया में कोचिंग कंसल्टेंसी की भूमिकाएं भी निभाई हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयर तवेंगवा मुखुहलानी ने कहा, 'मार्क कोल्स के पास अंतरराष्ट्रीय कोचिंग और हाई-परफॉर्मेंस का काफी अनुभव है, साथ ही उन्हें महिला क्रिकेट की जरूरतों की भी अच्छी समझ है। हमारे सीनियर और अंडर-19 स्ट्रक्चर में नियुक्त टेक्निकल और सपोर्ट स्टाफ़ के साथ मिलकर, हमें यकीन है कि वह हमें एक मजबूत टीम बनाने और लगातार सफलता के लिए एक स्पष्ट रास्ता तैयार करने में मदद करेंगे। हमें भरोसा है कि यह ग्रुप जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से मुकाबला करने में मदद करेगा। रंगारिराई मन्यांडे और ट्रेवर फिरी कोल्स के अंडर क्रमशः असिस्टेंट कोच (बल्लेबाजी) और क्षेत्ररक्षक कोच के तौर पर काम करेंगे।

शेर-ए-पंजाब टी20: शुभमन गिल का तूफानी डेब्यू, अर्शदीप की टीम को एक रन से हराया

मोहाली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बहुप्रतीक्षित एंट्री ने शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में रविवार को रोमांच भर दिया। फाजिल्का फाल्कंस की ओर से सीजन का अपना पहला मुकाबला खेल रहे गिल ने बल्ले से शानदार शुरुआत की, जबकि उनकी टीम ने अर्शदीप सिंह की कप्तानी वाली लुधियाना लायंस को महज एक रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की।

गिल ने पारी की शुरुआत करते हुए महज 21 गेंदों में 40 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी फाजिल्का को तेज शुरुआत दिलाई और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया। इस प्रदर्शन के लिए गिल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

लुधियाना लायंस के कप्तान और भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद गिल ने फाजिल्का की ओर से पारी की शुरुआत की और शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गति से रन बनाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, लुधियाना को जल्द ही कार्तिक चड्ढा के रूप में बड़ा हथियार मिल गया। चड्ढा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए फाजिल्का की रफ्तार पर ब्रेक लगाया और गिल का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में केवल नौ रन देकर चार विकेट लिए।

गिल के आउट होने के बाद फाजिल्का की पारी को संभालने की जिम्मेदारी प्रीत दत्ता और जयवीर भिंडर सिंह ने निभाई। प्रीत ने 23 गेंदों पर 36 रन बनाए, जबकि जयवीर ने 18 गेंदों पर 21 रन की पारी खेली। इन अहम योगदानों की मदद से फाजिल्का फाल्कंस ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 170 रन का स्कोर खड़ा किया।

लुधियाना लायंस को जीत के लिए 171 रन बनाने थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम को फाजिल्का के गेंदबाजों ने शुरुआती दौर में लगातार झटके दिए। विकेट गिरने के कारण लुधियाना की रन गति पर दबाव बढ़ता गया। कार्तिक शर्मा ने पारी को संभालने की कोशिश की और 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, लेकिन लुधियाना लगातार विकेट गंवाती रही। लुधियाना की पारी एक समय मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन कृष्ण भगत और माधव पथानिया ने मुकाबले का रुख बदल दिया। दोनों बल्लेबाजों ने फाजिल्का के गेंदबाजों पर जोरदार हमला बोलते हुए महज 29 गेंदों में नाबाद 61 रन की साझेदारी कर दी। माधव पथानिया ने सिर्फ 16 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए, जबकि कृष्ण भगत 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी ने लुधियाना को दोबारा मुकाबले में ला खड़ा किया और आखिरी ओवर में जीत की उम्मीद जगा दी।

लुधियाना को अंतिम छह गेंदों पर 19 रन की जरूरत थी। मुकाबला आखिरी गेंद तक पहुंच गया। लायंस के पास अंतिम गेंद पर जीत हासिल करने का मौका था, लेकिन छह रन की जरूरत के बावजूद पथानिया केवल चौका ही लगा सके। इस तरह लुधियाना की टीम जीत से एक रन दूर रह गई। फाजिल्का फाल्कंस ने 170 रन के स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए एक रन से रोमांचक जीत दर्ज की। मुकाबले में गिल की विस्फोटक शुरुआत से लेकर आखिरी गेंद तक चले रोमांच ने दर्शकों को बांधे रखा।

250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए ईशान

दलीप ट्रॉफी फाइनल में दोहरा शतक

चेन्नई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने दूसरे दिन बेहतरीन दोहरा शतक जड़ा। यह दलीप ट्रॉफी में उनका पहला दोहरा शतक और प्रथम श्रेणी में उनका दूसरा दोहरा शतक है। पहले दिन शतक लगाकर नाबाद रहे ईशान ने दूसरे दिन भी कमाल की बल्लेबाजी की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। ईशान 301 गेंद में 27 चौके और सात छक्के की मदद से 250 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने करीब 100 ओवर बल्लेबाजी की। 31वें ओवर में वह बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और 131वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुए। ईशान किशन की कहानी इस समय सिर्फ एक शानदार पारी की कहानी नहीं है, बल्कि गिरने के बाद पहले से ज्यादा मजबूती से लौटने की कहानी है। जिस खिलाड़ी का नाम कभी टीम इंडिया की रेस से दूर होता दिखा, वही अब घरेलू क्रिकेट में कप्तानी कर रहा है, रन बरसा रहा है और हर मौके को अपने बल्ले से जवाब में बदल रहा है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए किशन ने एक और बेहतरीन शतक जड़कर बता दिया कि कमबैक सिर्फ हुआ नहीं है, बल्कि अपने अलग ही स्तर पर पहुंच चुका है। ईशान का जन्म बिहार के पटना में जुलाई 18, 1998 को हुआ था। हालांकि, वह घरेलू क्रिकेट झारखंड के लिए खेलते हैं।

दिसंबर 2023 में क्या हुआ

दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए ईशान किशन ने अचानक अपना नाम वापस ले लिया था और खेलने से मना कर दिया था। तब उनकी काफी किरकिरी हुई थी। ईशान किशन ने निजी कारणों का हवाला देते हुए चयनकर्ताओं से ब्रेक मांगा। इसके बाद उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया। यह फैसला इसलिए चौंकाने वाला था क्योंकि एक साल पहले ही उन्होंने वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा था और ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में वह भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज थे। इसके बाद दो साल तक ईशान राष्ट्रीय टीम की योजनाओं से बाहर नजर आए।

सैयद मुश्ताक अली से कमबैक?

ईशान किशन ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने लगे। 2025 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी करते हुए उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट्स में खूब रन बनाए। दिसंबर 2025 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने झारखंड को उसका पहला एसएमएटी खिताब दिलाया। ईशान ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए और करीब 197 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। यही प्रदर्शन उन्हें 2026 टी20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम तक ले गया। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद से ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है और उनकी क्रिकेट लाइफ फिलहाल चौथी गीयर में चल रही है।

टीम इंडिया में वापसी के बाद ईशान ने क्या किया

असफलताओं से डरने के बजाय ईशान ने उन्हें चुनौती की तरह लिया। टीम इंडिया में वापसी करते ही उन्होंने शतक जड़ दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तिरुवनंतपुरम में 43 गेंद में 103 रन की पारी खेली। फिर टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 40 गेंद में 77 रन बनाए। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ईशान ने 25 गेंद में 54 रन की तूफानी पारी खेली। वह टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे और जीत में अहम भूमिका भी निभाई। इसके बाद आईपीएल 2026 में ईशान ने 182.4 के स्ट्राइक रेट से 602 रन बनाए। आईसीसी की रैंकिंग में टी20 अंतरराष्ट्रीय के नंबर एक बल्लेबाज बने। और अब अपनी कप्तानी में ईस्ट जोन को दलीप ट्रॉफी के फाइनल तक पहुंचाया। ईशान ने न सिर्फ बेहतरीन बल्लेबाजी की है, बल्कि कप्तान के तौर पर भी शानदार दिखे हैं। सही फैसले लिए, सही मौकों पर सही गेंदबाज को लगाया, अच्छी फील्डिंग सेट की। यह खूबी बताती है कि बतौर लीडर भी वह उतने ही अच्छे हैं, जितनी उनकी बल्लेबाजी है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में कमाल किया

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईशान किशन 250 रन बनाकर थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्होंने ईस्ट जोन के मध्यक्रम को बखूबी संभाला। फाइनल में उन्होंने शिखर मोहन के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन, फिर कुमार कुशाग्र के साथ 230 रन की साझेदारी की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। फिर अनुकूल रॉय के साथ छठे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी निभाई। इस दौरान उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 4000 रन भी पूरे किए। ईशान बड़े मैचों के प्लेयर कहलाने लगे हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक 2025 के फाइनल में 49 गेंद में 101 रन बनाए थे और झारखंड को खिताब दिलाया था। फिर भारत के लिए टी20 विश्वकप 2026 के फाइनल में अर्धशतक जमाया और अब दलीप ट्रॉफी में भी अपना प्रभाव छोड़ा है। इतना ही नहीं उन्हें चेपॉक भी खूब रास आ रहा है। यह वही चेपॉक है जहां आईपीएल 2026 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 47 गेंद में 70 रन की पारी खेली थी और जीत दिलाई थी। जीत के बाद उन्होंने चेन्नई के फैंस को घर जाने का इशारा किया था। हालांकि, आज वही चेपॉक और वहां मौजूद फैंस ईशान के लिए बैनर- पोस्टर लेकर पहुंचे और उनका समर्थन करते दिखे।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

- **पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार**

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे। उनमें अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। जब कोई अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। आप उनकी फिटनेस और लंबे समय तक खेलने की क्षमता को देखिए। शमी ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए सात मैचों में 16.72 की औसत से 37 विकेट लिए और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के सात मैचों में भी 24.53 की औसत से 15 विकेट लिए थे। अरुण ने शमी के 100वां फर्स्ट क्लास मैच खेलने को लेकर कहा कि यह शमी के लिए बहुत सही है। रेड बॉल के साथ 100 फर्स्ट-क्लास मैच खेलना जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। उन्हें बॉलिंग करना पसंद है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे नेट्स में बॉलिंग कर रहे हैं या मैच के दौरान। आप उन्हें रेड बॉल दें या कोई भी बॉल दें वे अपना रन-अप लेंगे और बॉलिंग शुरू कर देंगे।

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

- **पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ**

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

रुबीना दिलैक और हिना खान पर भड़के असीम रियाज

टेलीविजन अभिनेत्री रुबीना दिलैक और हिना खान ने हालिया पॉडकास्ट में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर असीम रियाज को 'न्यूसेंस वैल्यू' कहा था। अब असीम रियाज ने दोनों अभिनेत्रियों का पलटवार करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। असीम रियाज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोट शेयर कर इन टीवी सितारों पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'मैंने पॉडकास्ट की एक क्लिप देखी, जिसमें टीवी इंडस्ट्री के आंटी-अंकल बात कर रहे थे कि मैं हर रियलिटी शो में टीआरपी लाता हूं। तो हां, लाता हूं। अपने करियर के लिए गुड लक और इंडस्ट्री में कठपुतली बनकर अपने रोल निभाते रहो।' दरअसल, इस पॉडकास्ट में टेलीविजन अभिनेत्रियों रुबीना दिलैक और हिना खान दोनों के पति भी शामिल थे। रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला 'द4पीओवी' नाम से एक पॉडकास्ट चलाते हैं, जिसमें वह हिना खान और उनके पति रॉकी के साथ पब्लिसिटी, कॉन्ट्रोवर्सी और रियलिटी शोज को पॉपुलर बनाने में कंटेस्टेंट की भूमिका पर बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने असीम रियाज के उस दावे पर भी चर्चा की, जिसमें उन्होंने रियलिटी शोज की सफलता और टीआरपी में अपने योगदान की बात कही थी।

हिना खान ने एक इंटरव्यू का जिक्र भी किया था, जिसमें असीम रियाज ने बिग-बॉस, खतरों के खिलाड़ी और बैटलग्राउंड जैसे शोज पर अपने असर के बारे में बात की थी। इस चर्चा के दौरान हिना खान ने कहा कि असीम ऐसा दिखा रहे थे कि उनकी वजह से ही इन शोज को पॉपुलैरिटी मिली। रूबीना दिलैक असीम रियाज के साथ 'बैटलग्राउंड' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो कर चुकी हैं। अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने आरोप लगाया कि रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड' की शूटिंग के दौरान असीम रियाज क्रू और क्रिएटिव टीम के सदस्यों से बेहद अभद्र भाषा में बात करते थे और उन्हें गालियां देते थे। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि असीम रियाज को इस बात का घमंड है कि शो उन्हीं की वजह से हिट होते हैं और टीआरपी भी लाते हैं। उन्होंने असीम रियाज को शो के लिए एक 'परेशानी का सबब' करार दिया और उनके करियर को लेकर यह भी सवाल उठाया कि इतना अहंकार दिखाने वाले आज आखिरकार कहां है।

बिग बॉस 18 में एंट्री लेंगी ईशा रिखी

बोलीं-दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं

अभिनेत्री ईशा रिखी जल्द ही रियलिटी शो 'बिग बॉस-18' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वह अपनी असली पर्सनैलिटी को दिखाने के लिए इस सीजन में आना चाहती है। अभिनेत्री ने बताया, 'दर्शक मुझे अभी तक सिर्फ एक अभिनेत्री के तौर पर ही जानती है। मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि ईशा रिखी कौन हैं और मेरी पर्सनैलिटी के सभी अलग-अलग शेड्स देखें।' अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि वे शो में किस तरह से गेम खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं असली रहूंगी क्योंकि मैं दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं। मुझे वो बनना नहीं पसंद है, जो मैं नहीं हूं। मैं शो को ईमानदारी से खेलने की कोशिश करूंगी और उम्मीद है कि इसे ईमानदारी से जीतूंगी भी।'

अभिनेत्री का मानना है कि शो में जाने के बाद उनका सबसे चैलेंज पब्लिक जजमेंट हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वे शो में सिचुएशन को किस तरह से डील करेंगी। उन्होंने कहा, 'जब मुझे लगेगा कि किसी तरह की बात को शांति से डील करना चाहिए, तो मैं उसे वैसे ही करूंगी, लेकिन जब सिचुएशन संभल नहीं रही, तो मैं जरूर सख्ती से पेश आऊंगी।' ईशा रिखी से सवाल किया, 'हमने बिग बॉस को कंटेस्टेंट्स के पिछले रिश्तों को घर में लाते देखा है, जिसमें उनके एक्स-पार्टनर भी शामिल हैं। आप ऐसी सिचुएशन से कैसे निपटेंगे?' अभिनेत्री ने कहा, 'जो भी होगा, देखा जाएगा। मेरे पास इसके लिए कोई प्लान या तैयारी नहीं है।' अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में अपनी मां की वजह से जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने दोस्तों के लिए आखिर तक जाती हूं और उनके लिए स्टैंड लेती हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि शो के अंदर मेरी दोस्ती कितनी स्ट्रांग होगी। मैं अच्छा खेलने जा रही हूं और मैं अपनी मां के लिए शो जीतना चाहती हूं। तो, जाहिर है, मैं ट्रॉफी को प्रायोरिटी देने की पूरी कोशिश करूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक इमोशनल इंसान हूं, इसलिए मुझे थोड़ा डर है कि कहीं इमोशंस या दोस्ती की वजह से मैं खुद को चोट न पहुंचा लूं, लेकिन इस बार, मेरा फोकस पक्का ट्रॉफी जीतने पर है।

फिल्म 'दायरा' में काम नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज ?

आगे अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजूनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

अभिनेत्री होने के नाते हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देने की कोशिश करती हूं

अभिनेत्री अश्मेता बख्शी इन दिनों टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल- उरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी अभिनय की दुनिया में उनका सफर रोलर-कोस्टर राइड की तरह रहा है। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप किसी भी फील्ड में काम करते हैं, तो उतार-चढ़ाव होना आम बात है। उन्होंने बताया, 'मैंने बहुत सारे रोल किए हैं और एक एक्टर के तौर पर, मैं इतने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को खुशकिस्मत महसूस करती हूं। यह एक खूबसूरत सफर रहा है।' अभिनेत्री से ने सवाल किया, 'आपने फिल्म, वेब सीरीज और टेलीविजन में काम किया है, तो आपको इन मीडिया में क्या फर्क लगता है और आपको कौन सा माध्यम ज्यादा सही लगता है?'

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया कोई भी हो करनी तो आपको एक्टिंग ही है, हमें जो लिखा मिलता है बस उसी में बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। ऐसा कभी नहीं होता कि अगर आप कोई फिल्म कर रहे हैं, तो आप ज्यादा मेहनत करेंगे और अगर आप कोई सीरियल कर रहे हैं, तो आप कम मेहनत करेंगे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि मेकर्स को फर्क पता होता है। यह मेकिंग से आता है, चाहे वह डायलॉग्स में हो, किसी चीज को लिखने के तरीके में या खुद मीडियम में, लेकिन एक आर्टिस्ट के लिए, यह बस वह काम है जो वे कर रहे हैं।'

अभिनेत्री का कहना है कि वह अभिनेत्री होने के नाते किसी भी प्रोजेक्ट में अपना बेस्ट देने की कोशिश करती हैं। फिर, चाहे वह फिल्म, सीरियल हो या वेब सीरीज।

पत्नी सुनीता के बाद अब गोविंदा करेंगे रियलिटी शो में डेब्यू?

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

बतौर प्रतिभागी आएंगे नजर?

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

सुनीता और गोविंदा की पर्सनल लाइफ में दूरियां?

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली। गोविंदा के वर्क फ्रंट की बात करें तो फिल्म 'रूपा' में वे कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आएंगे।

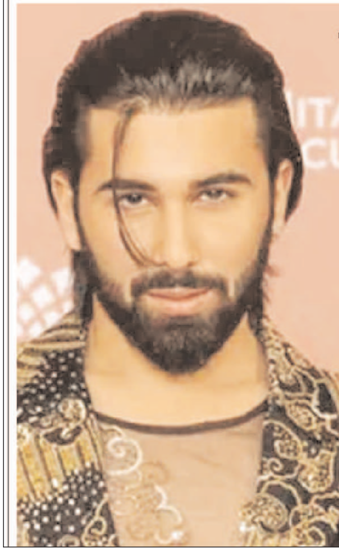

खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं आकांक्षा पर फिर भड़के ओरी

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए। मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बत करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गईं। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।

शहरों में नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों में लाएं तेजी : विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शहरों का विकास केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सुगम सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को नगरीय निकायों में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों का वास्तविक लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचे, यह अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर, 31 का निर्माण प्रगतिरत

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के नगरीय निकायों में युवाओं को अध्ययन के लिए आधुनिक और सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए जा रहे सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन नालंदा परिसर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन परिसरों के कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन वित्तीय वर्षों में प्रदेश के 38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिनमें 31 कार्य वतर्मान में प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री ने इन परिसरों में प्रस्तावित सीटों की संख्या और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने रायपुर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर की प्रगति की भी समीक्षा की।

सुनियोजित और नागरिक-केंद्रित हों प्रदेश के शहर

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगरोत्थान योजना की समीक्षा करते हुए शहरों में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अधोसंरचना विकसित करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 14 नगर निगमों के लिए प्रारंभ की गई इस योजना के तहत मुख्य सड़कों का चौड़ीकरण, बाईपास, फ्लाईओवर, सर्विस लेन और अंडरपास सहित यातायात से संबंधित आवश्यक अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपनी पूर्व घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत नगरीय विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि नगरीय निकायों के सतत, संगठित एवं नागरिक-केंद्रित विकास के लिए आदर्श शहर समृद्धि योजना प्रारंभ की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इसके अंतर्गत 32 नगरीय निकायों का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सेवाओं के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नागरिकों से सीधे जुड़ी इन सेवाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में रायपुर के प्रदर्शन की मुख्यमंत्री ने की सराहना

बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्त अनटाइड एवं टाइड ग्रांट से किए जा रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इसके माध्यम से सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था, जल प्रदाय, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वायु गुणवत्ता सुधार से संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि रायपुर नगर निगम ने वायु प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सुधार किया है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में रायपुर ने 189 अंक प्राप्त कर देश में छठा स्थान हासिल किया है। राज्य स्तरीय वार्ड रैंकिंग-2026 में रायपुर के वार्ड क्रमांक 46 ने 30 हजार से अधिक आबादी वाली श्रेणी तथा वार्ड क्रमांक 30 ने 10 हजार से 30 हजार आबादी वाली श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि के लिए विभाग और नगर निगम की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर के साथ स्वस्थ और बेहतर शहरी जीवन के लिए हरित क्षेत्र भी जरूरी हैं। उन्होंने वार्डों में उद्यान विकसित करने तथा जिन क्षेत्रों में वृक्षों की संख्या कम है, उनका चिन्हांकन कर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता यूसीसी पर जनपरामर्श को लेकर दुर्ग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंध जैसे मुद्दों पर सामाजिक व राजनीतिक संगठनों ने दिए सुझाव

रायपुर, 08 सितंबर 2026 छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (UCC) को व्यावहारिक, समावेशी और जनोपयोगी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा गठित यूसीसी समिति ने जनपरामर्श की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मंगलवार, 08 सितंबर को दुर्ग में यूसीसी प्रारूप समिति द्वारा एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती (डॉ.) ज्योति रानी सिंह की उपस्थिति में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, भरण-पोषण और लिव-इन संबंध जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

पारंपरिक मान्यताओं और कानूनी सुधारों पर चर्चा

बैठक के दौरान विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संघों के पदाधिकारियों ने यूसीसी के पक्ष और विपक्ष में खुलकर अपने विचार रखे। इस दौरान पारंपरिक-सामाजिक मान्यताओं से लेकर आधुनिक वैधानिक सुधारों तक के कई अहम पहलुओं पर चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने आश्वस्त किया कि प्राप्त सभी सुझावों का अध्ययन कर संहिता का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र के विभिन्न समाजों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें प्रमुख रूप से साहू समाज, मनवा कुर्मी समाज, कंवर समाज, चंद्रनाहू कुर्मी समाज, गोंडवाना सेवा समिति, आंध्र समाज, हलवा समाज, ताम्रकार समाज, यादव समाज, कंडरा आदिवासी समाज एवं मुस्लिम समाज युवा प्रभाग के पदाधिकारी, सर्व आदिवासी समाज, गोंडवाना गोंड महासभा, बीएसपी एसटी कमर्चारी संघ, भारतीय बौद्ध महासभा और राम मंदिर ट्रस्ट बेमेतरा के प्रतिनिधि शामिल थे। इसी प्रकार नागरिक एवं व्यावसायिक मंच से वरिष्ठ नागरिक कल्याण मंच, प्रज्ञा वरिष्ठ नागरिक संघ, पेंशनर्स संघ, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स और छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के सदस्य सुझाव देने वालों में शामिल थे।

बैठक में एडवोकेट प्रांजल शर्मा ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समान नागरिक संहिता के स्वरूप और प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। समिति ने आम जनता और संगठनों से सुझाव प्राप्त करने के लिए आधिकारिक वेबसाईट एवं ई-मेल ucc-chhattisgarh@cg.gov.in भी साझा की है। बैठक में यूसीसी समिति के सदस्य सचिव एवं रायपुर संभाग आयुक्त श्याम धावड़े, दुर्ग संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, एडीएम वीरेंद्र सिंह और एसडीएम प्रफुल्ल गुप्ता सहित दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

खूंखार कुत्ते का आतंक, 8 मासूमों पर हमला–गांव में दहशत

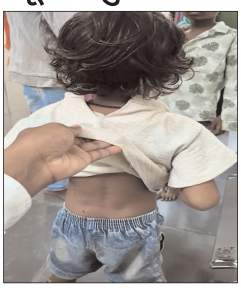

नई दृष्टिबिंदु /बलौदाबाजार।

लवन तहसील के ग्राम लक्ष्मनपुर में एक आवारा कुत्ते ने दहशत फैला दी है। कुत्ते ने एक के बाद एक 8 बच्चों पर हमला कर घायल कर दिया, जिसमें एक की हालत गंभीर है। ग्रामीणों के अनुसार कुत्ता दूसरे गांव से लक्ष्मनपुर पहुंचा और बच्चों को निशाना बनाने लगा। घायलों को स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया। गंभीर घायल बच्चे को जिला अस्पताल बलौदाबाजार रेफर किया गया है।

अभिभावक बच्चों को अकेले बाहर भेजने से डर रहे हैं

घायल बच्चों के नाम - सौरभ मरकंडे, यशिका ध्रुव, पुष्कर ध्रुव, रिहान साहू, टीकम साहू, यामिनी साहू, भूमिका साहू और तनुज कुमार बताए गए हैं। यामिनी का उपचार गढ़ाडीह पीएचसी और तनुज का पलारी सीएचसी में चल रहा है। घटना के बाद गांव में भय का माहौल है। अभिभावक बच्चों को अकेले बाहर भेजने से डर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा कुत्ते को तत्काल पकड़ने की मांग की है।

गांजा तस्करी करते हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार 5 किलो गांजा और बाइक जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

डोंगरगढ़ पुलिस ने गांजा परिवहन करते आरोपी फारुख खान उर्फ करी अज्जू (45) निवासी खुंटापारा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर सूचना पर चिचदो मोड़ के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। उसके पास से 5.174 किलो गांजा कीमत 2,58,700 रुपये और HF Deluxe बाइक 08 अर 3992 कीमत 45 हजार कुल 3,03,700 रुपये का माल जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 20(बी) NDPS एक्ट में कार्रवाई की गई।

आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी ठउद्धर और आबकारी के 3 प्रकरण दर्ज हैं। कारवाई में प्रशिक्षु DSP सुमन जायसवाल, उनि ओम साहू सहित टीम का योगदान रहा। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

नवोदय के लिए चयन परीक्षा का आयोजन 10 को

बालोद। जवाहर नवोदय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री प्रवेश हेतु चयन परीक्षा की ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में 9वीं एवं 11वीं में लेटरएंट्री प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन 10 अप्रैल 2027 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण करने की प्रक्रिया जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न विद्यालयों में कक्षा 9वीं में लेटरल एंट्री प्रवेश हेतु सत्र 2026-27 अध्ययनरत कक्षा 8वीं के छात्र-छात्राएं जिनकी जन्मतिथि 01 मई 2012 से 31 जुलाई 2014 एवं कक्षा 11वीं में लेटरल एंट्री प्रवेश हेतु सत्र 2026-27 अध्ययनरत कक्षा 10वीं के छात्र-छात्राएं जिनकी जन्मतिथि 01 जून 2010 से 31 जुलाई 2012 आवेदन के लिए पात्र हैं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन बार एंड रॉड मिल की टीम आरोहण और सारथी ने गुणवत्ता अवधारणाओं पर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए

CCQC में बार एंड रॉड मिल की दोनों टीमों ने जीता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस भिलाई में 29 एवं 30 अगस्त को आयोजित चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स (CCQC) में भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एंड रॉड मिल की दोनों टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड प्रमाणपत्र हासिल किया। इस उपलब्धि से टीमों ने संयंत्र का गौरव बढ़ाया।

प्रतियोगिता में बार एंड रॉड मिल की टीम आरोहण और सारथी ने गुणवत्ता अवधारणाओं पर आधारित अपने-अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। प्रभावी प्रस्तुतीकरण और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दोनों टीमों को गोल्ड प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

टीम आरोहण के फेसिलिटेटर उप महाप्रबंधक (बीआरएम) विजी मथाई रहे। टीम में अप्पू बेहरा, एन. सतीष, मनोज कुमार, चंदन कुमार एवं एम. श्रीनू शामिल रहे। वहीं टीम सारथी के फेसिलिटेटर उप प्रबंधक (बीआरएम) अनिल कुमार द्विवेदी रहे। टीम के सदस्यों में धनराज साहू, शुभम शिंदे, कुंतेलाल, यशवंत कुमार एवं वामसी बेहरा शामिल रहे।

उपलब्धि पर मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं एमडब्लूआरएम) योगेश शास्त्री ने मुख्य महाप्रबंधक कक्ष में दोनों टीमों को सम्मानित कर बधाई दी। उन्होंने टीम सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए गुणवत्ता एवं निरंतर सुधार के क्षेत्र में आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। महाप्रबंधक आशीष, शाश्वत मोहंती, समीर पांडे, शिखर तिवारी एवं तुषार श्रीखंडे ने भी टीमों को बधाई दी।

दोनों टीमों की यह सफलता गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और संयंत्र में निरंतर सुधार की संस्कृति का उदाहरण है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100